शर्मा हार्डवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 31 | गुवाहाटी | बुधवार, 28 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हैदराबाद में भूलक्ष्मी मंदिर में तोड़ी मूर्ति, विरोध, पुलिस ने दो को दबोचा पेज 2

मुख्यमंत्री के खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणी के लिए मामला दर्ज कराएगा विपक्ष पेज 3

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी का विरोध, कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन पेज 5

दुबई में खेला जाएगा भारत-पाक मैच और फाइनल मुकाबला पेज 7

मैं मियां मुसलमानों को असम पर कब्जा नहीं करने दूंगा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स./एजे)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा के चालू शरदकालीन सत्र के दूसरे दिन में कहा कि मैं मियां मुसलमानों को असम पर कब्जा करने नहीं दूंगा। मुख्यमंत्री के संबोधन के दौरान विपक्षी विधायकों ने हंगामा करने के साथ एक के बाद एक मुद्दा उठाकर मुख्यमंत्री को परेशान करने की कोशिश की। मंगलवार को विधानसभा में विपक्ष के जब मियां मुसलमानों का असम पर कब्जा करने की बात कही तो मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा आग बबूला हो गए। उन्होंने लगभग चेतावनी भरे लहजे में कहा कि मैं नहीं दूंगा, मैं मियां मुसलमानों को असम पर कब्जा नहीं करने दूंगा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा असम विधानसभा के चल रहे शरदकालीन सत्र के दूसरे दिन विपक्ष के प्रश्नों का सदन में जवाब दे रहे थे। ज्ञात हो कि राइजर दल के एकमात्र विधायक अखिल गोगोई समेत विपक्षी विधायकों ने नगांव जिलांतर्गत धिंग में 10वीं कक्षा की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना और शिवसागर में मियां बहिष्कार की घटना को लेकर विधानसभा सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के बाद एक चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री को घेरने की कोशिश की। विपक्ष ने धिंग की घटना, राज्य की कानून-व्यवस्था और ऊपरी असम में कुछ संगठनों का मियां बहिष्कार की घोषणा के मुद्दे पर सदन की कार्यवाही स्थगित करने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद मुख्यमंत्री बैठक स्थगित करने के प्रस्ताव पर सदन में बोलने के लिए खड़े हुए, लेकिन जैसे ही मुख्यमंत्री ने भाषण देना शुरू किया, विपक्षी सदस्यों के एक वर्ग ने एक तरह का हंगामा शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुष्कर्म का एक भी मामला हमें स्वीकार्य नहीं है। एनसीआरबी की जानकारी पर सदन में चर्चा की जानी चाहिए। वर्ष 2014 में राज्य में बलात्कार के 1,980 मामले थे। 2019 में बलात्कार की 989 घटनाएं हुईं। यह घटना किसी भी कारण से स्वीकार्य नहीं है। इसे स्वीकार करना होगा कि बलात्कार की घटनाओं में कमी आयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी मुख्यमंत्री एक साल में अपराध को समाप्त नहीं कर सकता है, बल्कि इसमें कमी ला सकता है। यही उन्होंने किया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के निचले से ऊपरी असम में लोगों के जाने वाले बयान का विरोध किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि सदन के नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया और रफीकुल इस्लाम कह रहे हैं कि नामनी (निचले) असम के लोग उजनी (उपरी) असम जाएंगे? मैं कह रहा हूं- क्यों जाएंगे? नहीं जा सकते। मियां मुसलमानों को उजनी असम पर कब्जा नहीं करने देंगे। मुख्यमंत्री ने ऊपरी असम में जाने पर जोर न देने का भी अनुरोध किया। डॉ शर्मा ने कहा कि कि उजनी मत जाओ, बिल्कुल मत जाओ। जिद मत करो, मैं अनुरोध करता हूं। जहां असम के लोग नहीं चाहते हैं, वह मत जाइये। यदि आप ऊपरी असम की इच्छाओं के विरुद्ध जाते हैं, तो आपको सुरक्षा नहीं मिलेगी। राज्य में जघन्य कृत्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुस्लिम अपराधियों की मदद मुस्लिम वकीलों को नहीं करनी चाहिए। इसी तरह हिंदुओं के मामले में भी यही होना चाहिए। -शेष पृष्ठ दो पर

मुझे मियां का वोट नहीं चाहिए : सीएम

हिंदुओं और मुसलमानों से संबंधित जनसांख्यिकी परिवर्तन पर बहस की जरूरत

अप्रैल में लाएंगे विवाह से संबंधित नया कानून

गुवाहाटी (हि.स./एजे)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम विधानसभा में विपक्षी दलों पर बरसते हुए आज कहा कि आप लोग मियां (अवैध घुसपैठिया) तुष्टिकरण की राजनीति करें। मुझे मियां वोट नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि अप्रैल में विवाह से संबंधित एक नया विधेयक सदन में लाएंगे। इस विधेयक में 10 ऐसे प्रावधान रहेंगे, जिनके जरिए विवाह के नाम पर की जाने वाली बदमाशी को रोका जा सके। इस प्रकार से हिंदू लड़कियों को भगाकर नहीं ले जाने देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई मुसलमान हिंदू लड़की से या फिर हिंदू मुसलमान लड़की से शादी करना चाहता है तो उसे छह माह पहले इसके लिए नोटिस भेजना होगा। इस प्रकार से नए कानून में अनेक ऐसे प्रावधान जोड़े जाएंगे, जिनसे शादी के नाम पर हो रही हेराफेरी बंद हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि धीरे-धीरे निचले असम में हिंदुओं की संख्या कम होती जा रही है। धुबड़ी, दक्षिण सलमारा, बरपेटा, कोकराझाड़ आदि जिलों में हिंदुओं की संख्या लगातार कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि यह जन्म-मृत्यु के कारण नहीं हो रहा है, बल्कि विभिन्न प्रकार से अत्याचार करके हिंदू लोगों को वहां से भागने को विवश किया जा रहा है। दूसरी ओर, राज्य के हिंदू -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शत्रुओं से अपने राज्य की पूर्ण रक्षा करें।

- आचार्य चाणक्य

राज्य में जल्द खोले जाएंगे पांच नए मेडिकल कॉलेज : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को असम विधानसभा के शरदकालीन सत्र के दौरान राज्य भर में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की घोषणा की। नए चिकित्सा संस्थान ग्वालपाड़ा, हैलाकांदी, माजुली, होजाई और हाफलांग में स्थित होंगे। राज्य सरकार की रणनीति में मौजूदा जिला अस्पतालों को पूर्ण मेडिकल कॉलेजों में उन्नत करना तथा प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और योग को मिलाकर एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण को एकीकृत करना शामिल है। मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि ये नए अस्पताल मौजूदा जिला अस्पतालों की जगह लेंगे, जिसका उद्देश्य राज्य भर में चिकित्सा -शेष पृष्ठ दो पर

नगांव के व्यापारियों ने ऊपरी असम में रोकी मछलियों की आपूर्ति

नगांव। नगांव जिले के कुछ मछली व्यापारियों ने मंगलवार को घोषणा की कि वे ऊपरी असम में मछलियों की आपूर्ति को अनिश्चितकाल के लिए बंद करेंगे। यह फैसला मिया समुदाय के खिलाफ चल रहे अभियाान के जवाब में लिया गया है। नगांव से नौ जिलों वाले ऊपरी असम क्षेत्र में हर दिन करीब चार क्विंटल मछलियों की आपूर्ति की जाती है। यह कदम हाल ही में जिले के धिंग में एक नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें एक समुदाय विशेष को निशाना बनाया गया। इस घटना के बाद एक समुदाय विशेष खिलाफ भड़काऊ टिप्पणियां और आक्रामक टिप्पणियां की गईं, जिससे -शेष पृष्ठ दो पर

मत्स्य पालक संस्था की धमकी का ऊपरी असम में तीखा विरोध

गुवाहाटी (हि.स.)। नगांव जिले में 10वीं कक्षा की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद उपजे रोष के चलते ऊपरी असम से मियां मुसलमान (अवैध घुसपैठिये) हटाओ अभियान शुरू हुआ। ऊपरी असम के दलों एवं संगठनों की चेतावनी के बाद स्थिति बिगड़ती जा रही है। इस चेतावनी के विरोध में मध्य असम के नगांव जिला मत्स्य पालक संस्था ने ऊपरी असम में मछली की आपूर्ति -शेष पृष्ठ दो पर

दीपक कुमार बासुमतारी बने जनसंपर्क विभाग के नए अतिरिक्त निदेशक

गुवाहाटी। राज्य सरकार ने सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के संयुक्त निदेशक दीपक कुमार बसुमतारी को अतिरिक्त निदेशक के पद पर पदोन्नत किया है। बासुमतारी ने आज मुख्यालय में जनसंपर्क के अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। बसुमतारी के इस पदोन्नत से *विकसित भारत समाचार* के संपादक राकेश शर्मा एवं प्रेस क्लब, असम के महासचिव तथा *अमृत प्रवाह* समाचार पत्र के संपादक हीरेन चंद्र कलिता तथा ने बधाई दी। मालूम हो कि दीपक कुमार बसुमतारी 1993 में कनिष्ठ सूचना और जनसंपर्क अधिकारी के रूप में गोसाईगांव में उप-मंडल सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के रूप में शामिल हुए। वे बंगाईगांव और ग्वालपाड़ा के जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी के रूप भी में कार्य किए। उप निदेशक के पद पर पदोन्नत होने के बाद, उन्होंने क्षेत्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

30 को अपने बेटे के साथ भाजपा में शामिल होंगे चंपई सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि वह अपने बेटे बाबू लाल सोरेन के साथ 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। चंपई सोरेन ने कहा कि आज मैंने एक नया अध्याय शुरू किया है। पहले मैंने संन्यास लेने के बारे में सोचा था, लेकिन बाद में -शेष पृष्ठ दो पर

बुर्किना फासो में अल-कायदा ने दो सौ लोग मार डाले

औगाडौगू। मध्य बुर्किना फासो के एक गांव में अल-कायदा से जुड़े आतंकवादियों द्वारा सप्ताहांत में किए गए हमले में कम से कम 100 ग्रामीणों और सैनिकों की मौत हो गई। एक विशेषज्ञ ने हमले से जुड़े वीडियो के विश्लेषण के बाद यह जानकारी दी। इस हमले को संघर्षग्रस्त बुर्किना फासो में इस वर्ष हुए सबसे घातक हमलों में से एक बताया जा रहा है। सुरक्षा थिंक टैंक *सौफान सेंटर* के वरिष्ठ अनुसंधान -शेष पृष्ठ दो पर

रास : भाजपा ने चुनाव से पहले ही जीत लीं आधा दर्जन सीटें

नई दिल्ली। राज्यसभा के लिए 9 राज्यों की 12 सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले ही भाजपा का खाता खुल गया है। भाजपा के 6 उम्मीदवारों को निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुन लिया गया है। इनमें राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू, बिहार से उपेंद्र कुशवाहा, मनन कुमार मिश्रा, हरियाणा से किरण चौधरी, मध्य प्रदेश से जॉर्ज कुरियन और उड़ीसा से ममता मोहंता शामिल हैं। सभी उम्मीदवारों को जीत का सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया है। दरअसल, असम, बिहार और महाराष्ट्र की दो-दो सीट, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना और ओडिशा की एक-एक सीट पर उपचुनाव होना है। राज्यसभा का ये उपचुनाव असम में कामाख्या प्रसाद ताशा और सर्वानंद सोनोवाल, बिहार में मीसा भारती और विवेक ठाकुर, हरियाणा -शेष पृष्ठ दो पर

भारत विरोधी पोस्ट बांग्लादेशी छात्रा को तुरंत भेजा गया वापस

नई दिल्ली। असम में एक बांग्लादेशी छात्रा को भारत विरोधी पोस्ट को लाइक करना भारी पड़ गया। भारी विरोध के बाद छात्रा को बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। एजेंसी ने पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह जानकारी साझा की। बांग्लादेशी छात्रा असम के सिलचर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में पढ़ाई कर रही थी। बांग्लादेशी छात्रा ने 2021 में एनआईटी में दाखिला लिया था। आरोप है कि छात्रा ने फेसबुक पर -शेष पृष्ठ दो पर

लड़कियों की शादी की उम्र 18 नहीं 21 साल होगी

हिमाचल विधानसभा में बिल पास

शिमला। हिमाचल प्रदेश में अब बेटियों की शादी की उम्र 18 नहीं बल्कि 21 साल होगी। सरकार ने इसके लिए विधानसभा के मानसून सत्र में *हिमाचल प्रदेश बाल विवाह प्रतिषेध विधेयक-2024* पेश किया, जो बिना चर्चा के सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। अब इस बिल को मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेजा जाएगा। अभी तक प्रदेश में लड़कियों की शादी की उम्र 18 साल -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता की सड़कों पर बवाल, प्रदर्शनकारियों ने फेंके पत्थर, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

कोलकाता। पुलिस ने मंगलवार को हावड़ा ब्रिज के पास और कोना एक्सप्रेसवे पर संतरागाछी रेलवे स्टेशन के पास प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया, पानी की बौछारें छोड़ी और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सचिवालय नबान्न तक पहुंचने के प्रयास में पुलिस अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया था। इस *नबान्न अभियान* में मुख्य रूप से युवा शामिल हैं जो आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा का 12 घंटे का बंगाल बंद आज

कोलकाता (हि.स.)। राज्य सचिवालय घेराव के लिए छात्रों के आह्वान पर सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों पर पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस की बर्बरता के खिलाफ भाजपा ने बुधवार को भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन का एलान किया है। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को 12 घंटे के -शेष पृष्ठ दो पर

बलूचिस्तान में बीएलए ने मार गिराए 130 पाकिस्तानी सैनिक

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक बड़े हमले का दावा करते हुए कहा है कि उन्होंने ऑपरेशन हेरोफ के तहत 130 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने अब तक 14 सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की है। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बताया कि इस ऑपरेशन में उनके 800 लड़ाकों ने हिस्सा लिया। हमले बलूचिस्तान के 12 विभिन्न स्थानों पर किए गए, जिनमें से 7 हमले फिदायीन थे। जीयंद के अनुसार, यह ऑपरेशन बलूचिस्तान की आजादी के संघर्ष में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। उधर, पाकिस्तानी सेना ने देर रात बयान जारी कर कहा कि उन्होंने जवाबी कार्रवाई में 21 आतंकियों को मार गिराया है। बलूचिस्तान में अब भी तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। बीएलए ने इस ऑपरेशन को बलूचिस्तान की आजादी के संघर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हैदराबाद में भूलक्ष्मी मंदिर में तोड़ी मूर्ति, विरोध, पुलिस ने दो को दबोचा

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद स्थित भूलक्ष्मी मंदिर में कुछ अज्ञात लोगों ने हमला बोल दिया और मूर्ति को खंडित कर दिया। घटना सोमवार की रात की है। पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। घटना संतोष नगर थाना क्षेत्र की है। उधर, घटना के विरोध में भारी भीड़ मंदिर में जुटी। लोगों ने जमकर नारेबाजी भी की। मामले की सूचना मिलने पर भारी पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। स्थानीय पार्षद पर आरोप लगे हैं। साउथ ईस्ट डीसीपी कांति लाल पाटिल ने कहा कि घटना सोमवार की रात 11:30 से 12 बजे के बीच की है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। इनमें से एक व्यक्ति मुख्य रूप से जिम्मेदार है। प्रारंभिक जांच में दो लोगों के नाम सामने आए हैं। जांच अभी जारी है। डीसीपी ने कहा कि घटना में शामिल सभी लोगों को पकड़ा जाएगा। फिलहाल हमले के पीछे राजनीतिक मकसद का कोई सबूत नहीं मिला है। भाजपा भाग्य नगर जिला अध्यक्ष समरेड्डी सुरेंद्र रेड्डी ने बताया कि यह घटना चंद्रयानगुट्टा विधानसभा क्षेत्र के रक्षापुरम कॉलोनी में स्थित भूलक्ष्मी मंदिर की है। मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया गया है। स्थानीय पार्षद और उनके लोगों ने यह कृत्य किया है। यह पहली बार नहीं हुआ है। पिछले पांच सालों से ऐसा हो रहा है। इस मंदिर पर पांच बार हमला हो चुका है। भाजपा नेता ने कहा कि दो साल पहले भी विनायक मंडप में ऐसा ही हुआ था। उन्होंने कहा कि यह मंदिर पुलिस स्टेशन से सिर्फ 50 वर्ग गज की दूरी पर है। यहां पुलिस नियमित गश्त करती है, लेकिन आज कोई गश्त नहीं हुई।

त्रिपुरा में बाढ़ से हाल बेहाल, सीएम ने एक महीने का वेतन राहत कोष में देने का किया एलान

अगरतला। त्रिपुरा बीते कई दिनों से बाढ़ की मार झेल रहा है। यहां 19 अगस्त से विनाशकारी बाढ़ के कारण कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई है और 1.17 लाख लोग बेघर हो गए हैं। इस बीच मुख्यमंत्री माणिक साहा ने अपना एक महीने का वेतन राहत कोष में देने का एलान किया है। उन्होंने ट्वीट किया कि मैं बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री राहत कोष में अपना एक महीने का वेतन दान करता हूं। इससे पहले माणिक साहा ने सोमवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में बाढ़ की स्थिति के बारे में उनसे बात की और संकट से उबरने के लिए लोगों को पूरा सहयोग देने का उन्हें आश्वासन दिया। साहा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर पोस्ट किया कि माननीय प्रधानमंत्री मोदी से बात की और राज्य में बाढ़ की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संकट की इस घड़ी में त्रिपुरा के लोगों को पूरी सहायता देने का आश्वासन दिया। हम त्रिपुरा के लोगों के लिए प्रधानमंत्री के इस उदार व्यवहार के लिए उनके अत्यंत आभारी हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री साहा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बात की थी और उन्हें राज्य में बाढ़ की स्थिति के बारे में बताया था। केंद्र ने बाढ़ प्रभावितों को राहत और पुनर्वास के लिए 40 करोड़ रुपए भी मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले तीन दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ के बाद राज्य के पुनर्निर्माण के उपायों पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक की थी। अधिकारियों ने बताया कि बुनियादी ढांचे, संपत्तियों और फसलों का लगभग 15 हजार करोड़ रुपए नुकसान होने का अनुमान है। इस बीच मध्यप्रदेश सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित केरल और त्रिपुरा को 20-20 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मध्यप्रदेश सहित देश के कई राज्य भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं और पिछले कुछ दिनों में, त्रिपुरा तथा केरल ने विशेष रूप से गंभीर प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है।

मटक समुदाय ने जनजातिकरण की मांग को लेकर डिब्रूगढ़ में प्रदर्शन

असम (हिंस)। मटक समुदाय ने जनजातिकरण की मांग को लेकर डिब्रूगढ़ में आज विरोध प्रदर्शन किया। मटक समुदाय ने अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग को लेकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने चुनाव से पहले राज्य में मटक समुदाय को जनजाति का दर्जा देने का अपना वादा पूरा नहीं किया है। इस दौरान पांच मटक संगठनों ने आज मुख्यमंत्री को 12 मांगों वाला एक ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में मटक समुदाय का जनजातिकरण करने, पूर्ण मटक स्वायत्त परिषद का गठन, कृत्रिम बाढ़ की समस्या का समाधान करने, हिंदू और मुस्लिम बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में प्रवेश करने से रोकने के लिए तत्काल उपाय करने और सरकारी निगमों में मटक समुदाय के योग्य व्यक्तियों को वरीयता देने की मांग की गई। उन्होंने मटक राजा सर्बानंद सिंह दिवस पर राज्य में सरकारी अवकाश घोषित करने की भी मांग की।

गोलाघाट में करोड़ों रुपए का मादक पदार्थ जलाया गया

गोलाघाट (हिंस)। जिला के पुलिस अधीक्षक राजेन सिंह के की देखरेख में गोलाघाट जिले के विभिन्न हिस्सों से जब्त लगभग 6 करोड़ 31 लाख 12 हजार 800 रुपए की हेरोइन जलाई गई। पुलिस के अनुसार गोलाघाट के बोगरिजेंग स्थित पुलिस प्रवेश मैदान पर हर महीने मादक पदार्थों को जलाया जाता है, लेकिन इस बार सबसे अधिक मादक पदार्थ को जलाया गया। इलाके में नगालैंड, मणिपुर से गोलाघाट जिले तक मादक पदार्थों को बड़े पैमाने पर अवैध रूप से लाया जाता है।

बंद पर ममता का दो टूक, कहा- दफ्तर आएं सभी सरकारी कर्मी

कोलकाता। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की तरफ से बुधवार को बुलाए गए बंद को लेकर राज्य में सामान्य हालात बनाए रखने की बात कही है। बंगाल सरकार ने लोगों से भाजपा की 12 घंटे की आम हड़ताल में भाग नहीं लेने का आग्रह किया और कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो। भाजपा ने मंगलवार को यहां राज्य सचिवालय तक मार्च में भाग लेने वाले लोगों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ पश्चिम बंगाल में बुधवार को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक आम हड़ताल का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलपन बंदोपाध्याय ने कहा कि सरकार बुधवार को किसी बंद की अनुमति नहीं देगी। हम लोगों से अपील करते हैं कि इसमें भाग न लें। सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो, इसके लिए सरकार सभी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि परिवहन सेवाएं हमेशा की तरह संचालित होंगी और दुकानों, बाजारों और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों से खुले रहने को कहा गया है। बंदोपाध्याय ने राज्य सरकार के कर्मचारियों से भी दफ्तर आने को कहा। गौरतलब है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर से कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना के विरोध में मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ मंगलवार को नबान्न पहुंचने का प्रयास कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठियों चलाई।

दही हांडी के दौरान बड़ा हादसा, 41 लोग घायल

महाराष्ट्र। मुंबई में *दही हांडी* उत्सव के दौरान बहुमंजिला पिरामिड बनाने वाले कुल 41 *गोविंदा* घायल हो गए हैं। ये सभी गोविंदा मटकी फोड़ने के लिए ऊपर चढ़े थे, इस दौरान ये तेजी से नीचे गिरे और घायल हो गए। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने बताया कि घायल गोविंदाओं को इलाज के लिए नजदीकी सरकारी और निजी अस्पतालों में ले जाया गया है। बीएमसी ने बताया कि 41 घायल गोविंदाओं में से आठ अस्पताल में भर्ती हैं, 26 का इलाज ओपीडी में चल रहा है और सात गोविंदाओं को आवश्यक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दही हांडी देखने के लिए मुंबई और ठाणे में कई स्थानों पर भीड़ उमड़ी। मुंबई के वर्ली, दादर, ठाणे के खोपट और टेम्पी नाका जैसे पारंपरिक स्थानों पर बड़ी भीड़ देखी जाती है और लटकी हुई हांडी को तोड़ने वाली विजेता गोविंदा टीम के लिए उच्च पुरस्कारों की घोषणा की जाती है।

पृष्ठ एक का शेष

मैं मियां मुसलमानों ...

मुस्लिम वकीलों को धिंग मामले में कभी मदद नहीं करनी चाहिए। अपराधियों को संरक्षण नहीं मिलेगा तो अपराध में जरूर कमी आएगी। आक्रामक मत बनो। उल्लेखनीय है कि असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों को मियां मुस्लिम का संबोधन दिया जाता है और इनका असम मूल के मुस्लिमों से कोई सरोकार नहीं है। असम में बांग्लादेश के मुसलमानों की घुसपैठ को रोकने के लिए राज्य सरकार लगातार कड़े कदम उठा रही है। उधर गरमागरम बहस के बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्य सदन के वेल में आ गए, जिसके कारण स्पीकर विश्वजीत दैमारी को कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस, एआईयूडीएफ और सीपीआई (एम) के विधायकों और एकमात्र निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों सहित राज्य में बढ़ते अपराधों से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए चार स्थगन प्रस्ताव पेश किए थे। असम में विपक्षी दलों ने विधानसभा परिसर समेत गुवाहाटी के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किया और सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा और उनके खिलाफ अपराध रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा भवन के अंदर से परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा तक मार्च किया। उन्होंने तख्तियां थाम रखी थीं और महिलाओं की सुरक्षा की मांग करते हुए नारे लगाए और महिलाओं के खिलाफ सभी अपराधों के लिए एक विशेष समुदाय को निशाना बनाए जाने की निंदा की। गुवाहाटी के हाटीगांव में एआईयूडीएफ की युवा शाखा के सदस्यों की राज्य मुख्यालय के सामने पुलिस के साथ झड़प हुई, जब उन्होंने *दिसपुर चलो* मार्च के तहत सचिवालय की ओर बढ़ने की कोशिश की। इस बीच, फरार दो अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धिंग में महिला समूहों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

मुझे मियां का वोट ...

बहुल राज्यों डिब्रूगढ़, लखीमपुर, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप मेट्रो आदि जिलों में मियां की संख्या लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अप्रैल में विधानसभा में एक-एक पोलिंग बूथ का आंकड़ा प्रस्तुत करके दिखाएंगे कि किस प्रकार से जनसंख्या का असंतुलन हुआ है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जिन्हें मियां का वोट लेकर राजनीति करनी है, वे करते रहें। लेकिन, उन्हें (मुख्यमंत्री को) न तो मियां का वोट चाहिए और न ही उन्हें इस प्रकार से असम में करने देंगे। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में हिंदुओं और मुसलमानों से संबंधित जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर बहस की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि निचले असम जिलों जैसे कुछ हिस्सों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन हो रहे हैं और इससे *अभूतपूर्व मानवीय आपदा* हो सकती है। शर्मा ने विधानसभा में विशेष जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर एक प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज राज्य में हिंदू-मुस्लिम मुद्दा सबसे ज्वलंत मुद्दा है; हमें इस पर बहस करने और इसे सुलझाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि हिंदू *मिया* मुस्लिम बहुल स्थानों से पलायन कर रहे हैं। मिया असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए प्रयुक्त एक अपमानजनक शब्द है। शर्मा ने दावा किया कि निचले असम में जनसांख्यिकी परिवर्तन इतनी तेजी से हो रहा है कि यह अभूतपूर्व मानवीय आपदा को जन्म दे रहा है। हिंदुओं ने अपनी जमीन और अधिकार खो दिए हैं। हिंदू नाम वाले गांवों में अब कोई हिंदू निवासी नहीं है। उन्होंने कहा कि एक दस्तावेज तैयार किया जा रहा है, जिसमें मतदान केन्द्रों के अनुसार जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का विवरण होगा। शर्मा ने यह भी कहा कि उनकी सरकार अप्रैल में एक कानून लाएगी जो यह सुनिश्चित करेगा कि शादियां *सम्मानजनक तरीके* से हों। शर्मा ने यह भी कहा कि उनकी सरकार अप्रैल में एक कानून लाएगी जो यह सुनिश्चित करेगा कि शादियां सम्मानजनक तरीके से हों। उन्होंने बिना विस्तार से बताए कहा कि एक स्थिर परिवार के लिए एक सम्मानजनक विवाह जरूरी है। हम इस संबंध में अप्रैल में एक कानून लाएंगे। मुख्यमंत्री आज असम विधानसभा के शरद कालीन सत्र के दूसरे दिन विधायकों के प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे।

दीपक कुमार बासुमतारी ...

जनसंपर्क कार्यालय, कोकराझाड़ में बीटीसी परिषद विभागों के क्षेत्रीय अधिकारी और मुख्य अधिकारी के रूप में तथा असम सूचना केंद्र, नई दिल्ली में सूचना अधिकारी के रूप में कार्य किया। उन्हें 2016 में संयुक्त निदेशक के रूप में पदोन्नत किया गया।

राज्य में जल्द खोले ...

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाना है। एक विस्तृत जानकारी में शर्मा ने बताया कि एक मेडिकल टीम इस वर्ष के अंत तक होजाई में एक नए कॉलेज के लिए स्थल का आकलन करने के लिए भूमि सर्वेक्षण करेगी। मुख्यमंत्री ने असम के स्वास्थ्य क्षेत्र में कई अन्य प्रमुख विकासों पर भी प्रकाश डाला। गुवाहाटी का दूसरा चिकित्सा संस्थान, प्राग्ज्योतिष मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, 2025 में खुलने वाला है। अगले वर्ष, बंगाइगांव, चराइदेउ और विश्वनाथ में तीन अतिरिक्त मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन किया जाएगा, जिससे अगले दो से तीन वर्षों में राज्य में मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों की कुल संख्या लगभग 23 हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज भी इस वर्ष के अंत में चालू हो जाएगा, जिससे राज्य की स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना में और सुधार होगा। ये पहल चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुधार के लिए असम सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य राज्य भर के निवासियों के लिए पहुंच और गुणवत्ता को बढ़ाना है।

नगांव के व्यापारियों ने ...

सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया। मछली व्यापारियों के संघ ने कहा कि इस स्थिति से वह असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इस तरह तरह के तनावपूर्ण माहौल में व्यापार करना असंभव हो गया है। संघ ने इसे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए जरूरी कदम बताया है और स्थिति में सुधार होने तक मछलियों की आपूर्ति को फिर से शुरू करने की संभावना से इनकार किया है। वहीं, स्थानीय प्रशासन ने इस स्थिति को गंभीरता से लिया है और दोनों समुदायों के बीच शांति बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रेटर जुरिया मछली पालक संघ के अध्यक्ष इब्राहिम खान ने कहा कि धिंग की घटना की हम निंदा करते हैं। इसके बाद से असम के ऊपरी जिलों में कुछ समूहों ने मिया लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है और इसलिए हमने उन क्षेत्रों में मछलियों की आपूर्ति को रोकने का फैसला किया है। *मिया* मूल रूप से असम में बंगाली भाषी मुसलमानों को अपमानित करने के मकसद से इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है और गैर-बंगाली भाषी लोग आमतौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी के रूप में पहचानते हैं। हाल के वर्षों में समुदाय के लोग इस शब्द को चुनौती के रूप में ले रहे हैं। खान ने कहा कि ऊपरी असम में हर दिन करीब चार क्विंटल मछलियों की आपूर्ति की जाती है। ऊपरी असम की कोई आधिकारिक परिभाषा या सीमांकन नहीं है। लेकिन पूर्वी असम में ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी और दक्षिणी तटों पर नौ जिलों को सामूहिक रूप से ऊपरी असम का हिस्सा माना जाता है। असम सरकार की एक वेबसाइट के मुताबिक, पिछले कई वर्षों में नगांव जिला राज्य में मछली उत्पादन के मामले में शीर्ष स्थान पर रहा है। धिंग में दुष्कर्म की घटना के बाद ऊपरी असम में, खासतौर पर शिवसागर जिले में, कई समूहों ने मिया लोगों को एक अल्टीमेटम जारी किया और उन्हें एक हफ्ते के भीतर इलाके को छोड़ने के लिए कहा। 22 अगस्त की शाम को नगांव जिले के धिंग में एक नाबालिग (14 वर्षीय) के साथ तीन लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। उस समय लड़की अपनी साइकिल पर ट्यूशन से घर लौट रही थी। मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी की 24 अगस्त को कथित तौर पर पुलिस हिरासत से भागने और तालाब में कूदने के बाद मौत हो गई। तब आरोपी को सुबह साढ़े तीन बजे के आसपास हथकड़ी लगाकर अपराध स्थल पर ले जाया जा रहा था। मछली कारोबारियों के संघ ने कहा कि उनके सदस्य या तो मछलियों को ऊपरी असम में भेजने के बजाय गुवाहाटी में आपूर्ति करेंगे या इन्हें सड़ने देंगे।

मत्स्य पालक संस्था ...

नहीं करने का एलान कर दिया है। इस एलान के बाद ऊपरी असम के लोगों का कहना है कि यह धमकी खिलंजिया (स्थानीय) लोगों के विरुद्ध दी गयी है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। मछली की आपूर्ति रोके जाने के बाद से ऊपरी असम के गोलाघाट, जोरहाट, शिवसागर, चराईदेउ, डिब्रूगढ़ आदि जिलों के मछली व्यवसायियों के साथ ही मियां हटाओ अभियान चला रहे संगठनों ने कहा है कि नगांव से मछली नहीं आएगी तो भी हमें किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं होने वाली है। हमारे लिए स्थानीय मछली ही काफी है। ज्ञातव्य है कि ऊपरी असम में मियां हटाओ अभियान शुरू होने के विरोध में नगांव मत्स्य पालक संस्था ने बीते कल ऊपरी असम में मछली की आपूर्ति रोकने की धमकी दी थी, जिसके बाद आज लोगों के बीच तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। उस फैसले के बाद गोलाघाट के खुमटाई के आम लोग भड़क गए हैं। खुमटाई के बेतियोनी के लोगों ने भी नगांव की मछली को सेहत के लिए हानिकारक बताया है। मियां हटाओ अभियान का विरोध करने पर नगांव मत्स्य संघ को मियां कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि खिलंजिया मुसलमान कभी भी इसका विरोध नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस के विधायक ने सबसे पहले इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी, जिसके बाद से यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले लिया। कांग्रेस पार्टी बेहद संभल कर बयान दे रही है। उधर, इस मुद्दे पर आज विधानसभा में भी जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस पार्टी के विधायकों ने ऊपरी असम में मियां हटाओ अभियान के विरुद्ध सरकार से कार्रवाई की मांग करते हुए आपत्तिजनक बातें कहीं। इस पर मुख्यमंत्री भी बेहद तैश में आ गए। उन्होंने कहा कि असम पर मियां को कब्जा नहीं करने देंगे।

रास : भाजपा ने ...

के दीपेंद्र हुड्डा, मध्य प्रदेश के ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया, महाराष्ट्र से छत्रपति उदयन राजे भोसले, पीयूष वेदप्रकाश गोयल, राजस्थान से केसी वेणुगोपाल और त्रिपुरा से बिप्लब देव के लोकसभा सदस्य चुने जाने और तेलंगाना के केशव राव व ओडिशा की ममता मोहंता के इस्तीफे से खाली हुई हैं। नए चुनाव के बाद चुने जाने वाले सदस्य निवर्तमान सदस्यों के बाकी बचे कार्यकाल के लिए होंगे। ये कार्यकाल अगले साल यानी 2025 से 2028 के बीच है। चुनाव आयोग ने इसी महीने राज्यसभा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी की थी। इसमें नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त थी और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 27 अगस्त थी। मतदान 3 सितंबर को संबंधित राज्यों की विधानसभाओं में सुबह नौ बजे से चार बजे तक होगा। उसी शाम पांच बजे से मतगणना होगी और रात तक नतीजे आ जाएंगे।

भारत विरोधी पोस्ट ...

एक पूर्व छात्र की भारत विरोधी पोस्ट को लाइक किया। पोस्ट को साझा करने वाला छात्र भी बांग्लादेशी है। कई लोगों ने छात्रा की हरकत पर विरोध जताया। खबरों के मुताबिक सिलचर के अलावा कई अन्य स्थानों पर छात्रा के खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई हैं। इस बीच असम विश्वविद्यालय के एक पूर्व छात्र ने मामले को उठाया। छात्र ने आरोपी छात्रा के इंटरनेट मीडिया पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह 11 बजे छात्रा को करीमगंज में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के माध्यम से वापस भेजा गया। एनआईटी सिलचर में करीब 70 बांग्लादेशी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। उधर, एनआईटी के अधिकारियों का कहना है कि छात्रा ने रविवार को छुट्टी का आवेदन किया था। उसने घर जाने की इच्छा जताई थी।

लड़कियों की शादी ...

है। स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री धनीराम शांडिल ने बाल विवाह प्रतिषेध (हिमाचल प्रदेश संशोधन विधेयक, 2024) पेश किया। प्रदेश में अभी लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल है। राज्य सरकार इसमें तीन साल की बढ़ोतरी कर रही है। इसके संशोधित ड्राफ्ट को राज्य मंत्रिमंडल ने 7 महीने पहले ही मंजूरी दे दी थी। मंगलवार को सदन में संशोधन विधेयक पारित हो गया। विधानसभा के मानसून सत्र में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हमारी सरकार ने कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है। हिमाचल प्रदेश में अपराध के लिए कोई स्थान नहीं है। सदन में सरकार सार्थक चर्चा के लिए पूरी तरह से तैयार है, लेकिन विपक्ष इससे भाग रहा है। दिशाहीन विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में आपदा आई, हमारी सरकार ने तुरंत राहत और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करके आपदा प्रभावितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का काम किया। इसके विपरीत केंद्र सरकार ने इस कठिन समय में भी कोई मदद नहीं की। उनका यह भेदभावपूर्ण रवैया उनकी असंवेदनशीलता को दिखाता है। सीएम ने कहा कि आपदा के कठिन समय में जब हर तरफ चुनौतियां थीं, हमारे अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं और छोटे बच्चों ने एकजुट होकर हमारा साथ दिया। हम उनके प्रति हृदय से कृतज्ञ हैं। यह एकता और समर्पण की भावना हमें और भी मजबूत बनाती है।

कोलकाता की सड़कों ...

की एक चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। नबान्न पश्चिम बंगाल सरकार का सचिवालय है। संतरागाछी में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके जिसमें कई अधिकारियों को चोट आई, वहीं प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई में भी कई छात्र घायल हो गए। प्रदर्शनकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक डॉक्टर से बलात्कार और उसकी हत्या के मामले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर राज्य सचिवालय पहुंचने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि जब कुछ जगहों पर आंदोलनकारियों ने अवरोधकों को पार करने का प्रयास किया और सुरक्षा कर्मियों पर हमला किया तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले छोड़े। छात्र संगठन पश्चिम बंग छात्र समाज और राज्य सरकार के असंतुष्ट कर्मचारियों के संगठन संग्रामी जौथा मंच ने कोलकाता के अलग अलग स्थानों से अपना मार्च शुरू किया था जिसके बाद तनाव की स्थिति पैदा हो गई। इस बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कोलकाता और हावड़ा में नबान्न अभिजन रैली में शांतिपूर्ण तरीके से भाग लेने वालों पर *बर्बर कार्रवाई* का सहारा लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राज्य सरकार द्वारा बर्बरता नहीं रोकी गई तो पश्चिम बंगाल को *ठप* कर दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने *नबान्न अभिजान* रैली का आह्वान किया, जिसकी शुरुआत सबसे पहले हावड़ा के संतरागाछी इलाके में लोगों के इकट्ठा होने से हुई। रैली पश्चिम बंगाल की राजधानी में कॉलेज स्क्वायर से शुरू हुई। कई छात्र और नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर और नारे लगाते हुए सचिवालय की ओर बढ़ते हुए मार्च में शामिल हुए। पश्चिम बंगाल पुलिस ने विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए भारी बल तैनात किया। कोलकाता के हेस्टिंग्स में फोर्ट विलियम के पीछे के चेक गेटों पर प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड्स पर चढ़ने से रोकने के प्रयास में नागरिक कार्यकर्ताओं ने ग्रीस लगाया। पुलिस ने इलाके में वज्र वाहन, वाटर कैनन और दंगा नियंत्रण बल भी तैनात किया है, जबकि सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए कंटेनर रखे गए हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने आज राज्य सरकार से *शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी छात्रों* को रोकने के लिए शक्ति का प्रयोग न करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले की याद दिलाई और कहा कि लोकतंत्र बहुमत को चुप नहीं करा सकता। एक वीडियो संदेश में, राज्यपाल बोस ने कहा कि पश्चिम बंगाल के छात्र समुदाय द्वारा घोषित शांतिपूर्ण विरोध और सरकार के कुछ निर्देशों द्वारा विरोध को दबाने की खबरों के संदर्भ में, मैं सरकार से भारत के सर्वोच्च न्यायालय के कड़े फैसले को याद रखने का आग्रह करूंगा, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पश्चिम बंगाल राज्य की शक्ति का प्रयोग न होने दें। लोकतंत्र बहुमत को चुप नहीं करा सकता, बहुमत को चुप नहीं करा सकता, बहुमत को चुप नहीं करा सकता! इसे याद रखें। कल, कोलकाता के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार ने कहा कि उन्होंने 27 अगस्त को नबान्न अभिजन नामक रैली आयोजित करने के लिए पश्चिमबंग छात्र समाज द्वारा किए गए आवेदन को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनके आवेदन को खारिज कर दिया क्योंकि समूह ने औपचारिक अनुमति नहीं ली थी और अपर्याप्त विवरण प्रदान किए थे। आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर में एक महिला प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या ने पूरे देश में आक्रोश फैला दिया। इस घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया और तब से पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए कई विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सेमिनार हॉल में प्रशिक्षु डॉक्टर मृत पाई गई थी।

भाजपा का 12 घंटे ...

बंगाल बंद का आह्वान किया है, जिसमें उन्होंने पुलिस पर नवान्न अभियान के दौरान *डर फैलाने* का आरोप लगाया है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने पहले ही छात्र समाज के नवान्न अभियान का बाहरी समर्थन करने की घोषणा की थी और अब बंगाल भाजपा ने खुलकर *छात्र समाज* के समर्थन में खड़े होते हुए यह बंद बुलाया है। मंगलवार को नवान्न अभियान के दौरान आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की लाठीचार्ज, आंसू गैस और वाटर कैनन का उपयोग किया गया। इसके बाद भाजपा ने इस *शांतिपूर्ण* महिला और छात्रों के प्रदर्शन के समर्थन में पूरे राज्य में 12 घंटे के बंद का एलान किया। भाजपा के राज्य अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में बंगाल बंद की घोषणा की। उन्होंने बताया कि यह हड़ताल बुधवार सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक चलेगी। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने इस बंद का कड़ा विरोध किया है।

बलूचिस्तान में बीएलए...

का पहला कदम बताया है और आगे और भी हमलों की चेतावनी दी है। बीएलए के लड़ाकों ने कई पाकिस्तानी सेना के कैंप और पुलिस चौकियों को निशाना बनाया। इनमें से सबसे बड़ा हमला बेला शिविर पर हुआ, जहां बीएलए के फिदायीन लड़ाकों ने 20 घंटे तक कब्जा बनाए रखा। इस हमले में 68 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया है। बीएलए ने कहा कि उसने स्थानीय पुलिस को पहले ही चेतावनी दी थी कि वे पाकिस्तानी सेना की मदद न करें। प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस और लेवी फोर्स के 22 कर्मचारियों को अस्थायी रूप से हिरासत में लिया गया और ऑपरेशन के बाद उन्हें सुरक्षित रिहा कर दिया गया। बीएलए के फतेह दस्ते ने बलूचिस्तान के कई हाईवे पर नाकेबंदी कर दी थी। इसे हटाने आए 62 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया गया है। बीएलए ने हाईवे पर 25 वाहनों को आग लगाने का वीडियो भी जारी किया, जिसमें उनके लड़ाके पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बदला लेने की बात करते हुए दिख रहे हैं। बीएलए ने बताया कि इन हमलों में उनके 7 फिदायीन लड़ाके मारे गए, जिनमें एक महिला, महल बलूच, भी शामिल थी। महल बलूच, बलूचिस्तान की आजादी के संघर्ष में अपनी जान देने वाली तीसरी महिला बनीं।

30 को अपने बेटे ...

कार्यकर्ताओं और जनता के उत्साह को देखते हुए मैंने सक्रिय राजनीति में शामिल होने के बारे में सोचा। बाद में मैंने एक नया संगठन बनाने के बारे में भी सोचा, लेकिन समय की कमी और झारखंड की अनूठी गतिशीलता के कारण मैंने काफी चिंतन के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का फैसला किया। चंपई सोरेन ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर पूरा भरोसा है, मैंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया। मैं 30 तारीख को भाजपा में शामिल होऊंगा। मैं और मेरा बेटा बाबूलाल सोरेन रांची में भाजपा में शामिल होंगे। हम कल झारखंड जाएंगे। जब उनसे जेएमएम के इस बयान के बारे में पूछा गया कि उनका पर्दाफाश हो गया है, तो चंपई सोरेन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस पर प्रतिक्रिया देना उचित होगा। मैंने बहुत संघर्ष किया है और झारखंड में हमारा इतिहास स्पष्ट है। लेकिन हम भाजपा में शामिल होंगे।

बुर्किना फासो में...

फेलो वसीम नस्र ने बताया कि राजधानी औगाडौगू से 80 किलोमीटर दूर बार्सालोघो कम्यून के ग्रामीण सुरक्षा चौकियों और गांवों की रक्षा के लिए बनाई जा रही खाइयों की खुदाई के काम में सुरक्षा बलों की शनिवार को मदद कर रहे थे। नस्र के अनुसार, इस दौरान अल-कायदा से जुड़े जमात नुसरत अल-इस्लाम अल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) समूह के आतंकवादियों ने गांव में गोलीबारी शुरू कर दी। अल-कायदा ने रविवार को एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली। उसने काया शहर के बार्सालोघो में एक सैन्य चौकी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने का दावा किया। काया रणनीतिक लिहाज से अहम शहर है, जहां सुरक्षा बलों और औगाडौगू पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे आतंकी संगठनों के बीच कई मुठभेड़ हो चुकी हैं। नस्र ने बताया कि हमले से जुड़े वीडियो में कम से कम 100 शवों की गिनती की गई है। इन वीडियो में गोलीबारी की आवाज के बीच खाइयों और फावड़ों के पास पड़ा शवों का ढेर दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री के खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणी के लिए मामला दर्ज कराएगा विपक्ष

विपक्षी एकता मंच ने की राज्यपाल और राष्ट्रपति से मुख्यमंत्री को बर्खास्त करने की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। विपक्षी एकता मंच (ओयूएफ) ने राज्यपाल और राष्ट्रपति से मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को उनकी सांप्रदायिक और असंवैधानिक टिप्पणी और खुद की तुलना पागल कुत्ते से करने के लिए बर्खास्त करने की मांग की है। विपक्षी एकता मंच 28 अगस्त को दिसपुर थाने में मुख्यमंत्री के खिलाफ विधानसभा के अंदर और बाहर सांप्रदायिक झड़पों को भड़काने वाली उनकी सांप्रदायिक टिप्पणियों के लिए मामला दर्ज कराएगा। विपक्षी एकता मंच मुख्यमंत्री और उनके परिवार की बेहिसाब संपत्तियों की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से जांच कराने की भी मांग करेगा। राज्य के विपक्षी एकता मंच तथा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। इससे पहले 18 राजनीतिक दलों के अध्यक्ष और राज्य सचिवों ने एक बैठक की। विपक्ष ने कहा कि डॉ. शर्मा एक पागल व्यक्ति हैं और असम उनके हाथों में सुरक्षित नहीं है। हिमंत विश्व शर्मा कभी नहीं चाहते कि असम के जातीय समूहों की समस्याओं का समाधान हो। इस मुख्यमंत्री ने असम की नई पीढ़ी के भविष्य को अनिश्चित बना दिया है और हिंदुओं और मुसलमानों के बीच संघर्ष पैदा करने की कोशिश जारी है। बदरुद्दीन अजमल की हार के बाद वह अपना रास्ता भटक गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नहीं चाहते कि असम के मूल लोगों की समस्याओं का समाधान हो। मुख्यमंत्री असम समझौते के अनुच्छेद 6 को लागू करने में विफल रहे। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ ही कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै, सांसद रकिबुल हुसैन, राज्यसभा सांसद अजीत कुमार भुईयां, प्रतिपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया, सीपीएम के नेता सुप्रकाश तालुकदार, विरोधी एक्य के मंच के सचिव लुरिन ज्योति गोगोई आदि नेता मौजूद रहे।

दरंग में छठी कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म

दरंग (हिंस)। राज्य में फिर से बलात्कार का मामला सामने आया है। छठी कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची को एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी वासना का शिकार बनाया। यह घटना दीपिला के बुढ़ादोई चपरा की है। मिली जानकारी के अनुसार सिपाझार थाना क्षेत्र के व्यावसायिक केंद्र मरानदी के किनारे पीड़िता स्कूली छात्रा साइकिल की दुकान पर साइकिल ठीक कराने गई थी। यह घटना 22 अगस्त को हुई। मरानदी के किनारे एक साइकिल मैकेनिक नजमल अली (60) लड़की को अपनी साइकिल की दुकान के अंदर ले गया और दुष्कर्म किया। घटना के संबंध में पीड़ित परिवार द्वारा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई, लेकिन अपराधी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। पीड़ित परिवार इतने लंबे समय से लोक-लाज के कारण मीडिया से दूर रहा, लेकिन आज तक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किए जाने के कारण न्याय की मांग करते हुए परिवार ने मीडिया के जरिए सरकार से आह्वान किया है।

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस ने बिजली विभाग का दफ्तर घेरा

बिश्वनाथ (हिंस)। जिला कांग्रेस ने मंगलवार को बिश्वनाथ में बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव कर स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन किया। बिश्वनाथ जिला कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान कार्यालय में गरमागरम की स्थिति बन गई। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी समय तक धक्का-मुक्की भी हुई। जिला पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किया। जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली शुल्क में वृद्धि होने का आरोप लगाते हुए बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव किया था। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस बीच अखिल असम छात्र संस्था (आसू) के बिश्वनाथ जिला के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय छात्र संस्था के शहीद भवन से असम पावर डिस्टीब्यूटर कंपनी लि. (एपीडीसीएल) की शवयात्रा निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। शहर के विभिन्न हिस्सों से होकर एपीडीसीएल की शवयात्रा निकाल रहे आसू कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बीच में ही रोक दिया। इस प्रदर्शनकारियों और पुलिस के साथ काफी नोक झोंक होती रही। पुलिस ने संयम बरतते हुए प्रदर्शनकारियों के विरोध प्रदर्शन को समाप्त कराया। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बिजली विभाग के स्मार्ट मीटर को हटाने की मांग को लेकर विपक्षी पार्टियों के साथ ही स्थानीय दल एवं संगठनों लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुदेमपुर जंगल से हथियार बरामद

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के कचुगांव थाना क्षेत्र के सुदेमपुर जंगल से फिर से एक बार हथियार बरामद किए गए हैं। घटना के संदर्भ में असम पुलिस के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए दी है। उन्होंने कहा कि 23 जुलाई को हथियार बरामदगी के बाद आज असम पुलिस और मिलिट्री इंटेलिजेंस के संयुक्त अभियान में कोकराझाड़ जिले के कचुगांव थाना क्षेत्र के सुदेमपुर जंगल से 8 हथियार बरामद किए गए हैं। हालांकि, कोकराझाड़ पुलिस ने इस हथियार बरामदगी के संबंध में कोई जानकारी साझा नहीं की है। घटना के संबंध में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है या नहीं, इस बारे में भी पुलिस महानिदेशक या कोकराझाड़ पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है।

सिख प्रतिनिधि बोर्ड पूर्वी क्षेत्र, धुबड़ी साहेब की कार्यकारिणी की विशेष सभा आयोजित

नगांव (निसं)। रविवार को सिख प्रतिनिधि बोर्ड ईस्टर्न जोन, धुबड़ी साहिब की एक आवश्यक सभा, धुबड़ी गुरुद्वारा साहिब दीवान हाल प्रांगण में संपन हुई। बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष, सरदार देवेंद्र सिंह सहेमी ने सभा का संचालन किया। बोर्ड के महासचिव सरदार राजगुरमीत सिंह पदम ने इस विशेष बैठक के उद्देश्यों की व्याख्या की। उन्होने गत 18अगस्त को सरदार दलजीत सिंह सेठी के द्वारा बुलाई गई बोर्ड की सभा को असंवैधानिक करार दिया तथा उक्त सभा में उनके एवं सरदार सर्वजीत सिंह मरवा के ऊपर लगाये गए सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया। इस सभा में बोर्ड के उत्तर पूर्वी राज्यों के लगभग सभी गुरुद्वारा समितियों के कुल 130 मनोनित सदस्यों के अलावा ऑल असम सिख युवा संघ की प्राय: सभी शाखाओ के सदस्यो तथा बड़ी तादाद में सिख संगत ने भी भाग लिया। कार्यकारणी के गण्यमान्य सदस्यो ने अपने बहुमुल्य विचार सभा की समझ पेश किए। सभी वक्ताओं ने एक सुर में गत 18अगस्त की सभा में लिए गए सभी निर्णयों को खारिज करने की मांग की और सभापति द्वारा कुछेक गैर कार्यकारणी सदस्यो को लेकर कराई गई उक्त सभा की संपूर्ण कार्यवाहि को निरस्त कर साथ ही साथ सरदार दलजीत सिंह सेठी को बोर्ड के सभापति से निलंबित करने की पुरजोर मांग की और एक नई उपसमिति गठित कर आगामी शहीदी गुरपूरब मानने के सुझाव दिए। अंत में गहन विचार विमर्श करने के उपरांत संगत तथा बोर्ड के कार्यकारणी सदस्यो ने एक सात सदस्यीय समिति का गठन किया। जिसका नेतृत्व सरदार बघेल सिंह को सभापति के तौर पर दिया गया। जो शहीदी गुरुपरव तक समिति के अन्य मेंबरों के सहयोग से अपना दायित्व निभायेंगे। बोर्ड ने सर्वसम्मति से सरदार दलजीत सिंह सेठी को असंवैधानिक कार्यों के लिए आगामी 6 वर्षों के लिए बोर्ड की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया और गत 18 अगस्त को उनके द्वारा बुलाई गई तथाकथित बैठक के सभी निर्णयों को निरस्त कर दिया गया। एक अन्य प्रस्ताव के जरिए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गुरु तेग बहादुर जी का शहीदी गुरुपरव आगामी 5, 6 तथा 7 दिसंबर को धुबड़ी साहिब में सिख प्रतिनिधि बोर्ड की देखरेख में मनाए जाने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी बोर्ड के जनसंपर्क अधिकारी सरदार हरदर्शन सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा यहां दी।

200 लोग भाजपा में हुए शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा आयोजित एक समारोह में आज दौ सौ से अधिक लोग आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश दास ने की। भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव जीआर रवींद्र राजू, प्रदेश महासचिव और प्रदेश युवा मोर्चा प्रभारी दिगु रंजन शर्मा और युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक कपिल परमार इस मौके पर उपस्थित रहे। आज भाजपा में शामिल होने वालों में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के पूर्व महासचिव मून तालुकदार, आर्य विद्यापीठ कॉलेज के पूर्व महासचिव अचिंत्य तालुकदार, सीसी दास कॉमर्स कॉलेज के पूर्व महासचिव रोहित भुइयां और गुवाहाटी विश्वविद्यालय की पूर्व सांस्कृतिक सचिव बरषारानी बरुवा, बजाली कॉलेज के पूर्व उपाध्यक्ष कृष्णज्योति बरुवा, आम आदमी पार्टी के छात्र संघ नेता दीपक शर्मा, एनएसयूआई नेता शाहिल रहमान और अन्य शामिल हैं। भाजयुमो की ओर से जारी बयान में प्रदेश युवा मोर्चा के अध्यक्ष राकेश दास ने कहा कि आज विभिन्न युवा और छात्र संगठनों के कुछ ही नेता शामिल हुए हैं। निकट भविष्य में राज्य के विभिन्न जिलों में हजारों युवा और छात्र नेता आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे। भाजपा ने आज बशिष्ठ स्थित अपने प्रदेश कार्यालय में *सदस्यता अभियान-2024* को व्यापक रूप से बढ़ावा देने के लिए एक कार्यशाला भी आयोजित की है। कार्यशाला में प्रदेश युवा मोर्चा के अध्यक्ष राकेश दास, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, मंत्री जयंत मल्लबरुवा और प्रदेश महासचिव पल्लव लोचन दास शामिल हुए। कार्यशाला में 39 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्ष और महासचिवों के साथ-साथ राज्य समितियों ने भी भाग लिया।

मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिभा एक खोज प्रतियोगिता संपन्न

विजयी प्रतियोगी का मुकाबला आगे गुवाहाटी में

नगांव (निसं)। मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा ने पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यक्रम प्रांत स्तर की नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता का क्वार्टर फाइनल आयोजित किया। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा, सहयोगी पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन ने पूरे प्रांत में गायन एवं नृत्य के क्षेत्र में समाज में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाकर उन्हें निखारने एवं एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से एक खोज प्रतिभा की सीजन... 3 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नृत्य एवं गायन के क्षेत्र में जूनियर एवं सीनियर ग्रुप की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत सबसे पहले मंडल स्तर पर यह प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। मंडल (ग) में भी उक्त प्रतियोगिता के अंतर्गत मंडल की शाखाओं से संपर्क स्थापित कर शाखाओं में यह प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। शाखाओं से दोनों ग्रुप में विजय प्रतियोगि को मंडल स्तर पर आयोजित क्वार्टर फाइनल में अंश ग्रहण करने का अवसर प्रदान किया गया। मंडल (घ) में क्वार्टर फाइनल मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा के आतिथ्य में रविवार को 4.30 बजे से शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में एक कार्यक्रम आयोजित कर किया गया। सर्वप्रथम प्रांतीय उपाध्यक्ष मंडल- डी संजय गाड़ोदिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। निर्णायक मंडली के रूप में नगांव के सुप्रसिद्ध भजन गायक एवं सुर-ताल के ज्ञाता प्रदीप पारीक एवं सुपन कुमार उपाध्याय उपस्थित थे। दोनों ने बहुत ही सुंदर तरीके से प्रतियोगियों के गीतों को सुनकर अपना निर्णय दिया। जिसमें जूनियर ग्रुप में प्रथम स्थान नगांव के जागृत अग्रवाल तथा द्वितीय स्थान रोहा की महिमा अग्रवाल ने प्राप्त किया वही सीनियर ग्रुप में प्रथम स्थान नगांव की श्रद्धा गुजरानी एवं द्वितीय स्थान रोहा की लारा शर्मा ने अर्जित किया। नृत्य प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडली के रूप में असमिया फिल्म के जाने माने निर्देशक एवं कोरियोग्राफर सोनू खान एवं उनके सहयोगी जून मेधी ने नृत्य प्रतियोगिताओं का निर्णय करते हुए जूनियर ग्रुप में प्रथम स्थान हेतु गितिका अग्रवाल एवं द्वितीय स्थान हेतु कार्तिक मोर का चयन किया। सभी वीजताओं एवं निर्णायक मंडली के सदस्यों का नगांव शाखा के अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया, सचिव अजय मित्तल, प्रांतीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, प्रांतीय सहायक मंत्री विकास अग्रवाल द्वारा फुलाम गोमछा पहनकर अभिनंदन किया गया एवं सभी विजेता प्रतियोगियों को प्रमाण पत्र एवं उपहार भेंट किए गए। सभी विजेता प्रतियोगियों को गुवाहाटी कामरूप शाखा के आतिथ्य में 8 सितंबर को लोहिया ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले सेमी फाइनल राउंड में अंश ग्रहण करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में नगांव शाखा के अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया एवं सचिव अजय मित्तल ने संयुक्त रूप से धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। प्रांतीय उपाध्यक्ष मंडल-ष्ठ संजय गाड़ोदिया ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी को धन्यवाद दिया है। इस अवसर पर समाज कि कई संस्थाओं के पदाधिकारी, सहित समाज के नेमीचंद डाबड़ीवाल, रतन जाजोदिया, पवन गाड़ोदिया, रघुबीर प्रसाद आलमपुरिया एवं कई गणमान्य व्यक्ति, मातृशक्ति एवं बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में नगांव शाखा के कोषाध्यक्ष , नगांव शाखा के संस्कृतिक सचिव महेश भजनका का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

होजाई और लंका में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

होजाई (हिंस)। पुलिस ने इलाके में शांति बनाए रखने के लिए बीती रात होजाई जिला शहर और लंका शहरों में फ्लैग मार्च निकाला। होजाई जिले के धिंग में दसवीं कक्षा की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद उत्पन्न हुई कानून व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए यह फ्लैग मार्च किया गया। होजाई जिले के डीएसपी श्यामंत शर्मा के नेतृत्व में यह फ्लैग मार्च निकाला गया। होजाई और लंका के विभिन्न इलाकों में भारी संख्या में सुरक्षा वालों की तैनाती देखी जा रही है। इसी तरह की पुलिस तैनाती निचले असम के जिलों में भी देखा जा रहा है, जहां पर पुलिस कानून-व्यवस्था को बहाल रखने के लिए विशेष सतर्कता बरत रही है।

नगांव गुरुद्वारा प्रबंध समिति ने धिंग दुष्कर्म कांड की निंदा की

नगांव (निसं)। नगांव सिख समाज ने धिंग में नबालिका के साथ हुयें दुष्कर्म पर गहरा दु:ख जताया। गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी नगांव द्वारा सिख समाज की ओर से धिंग में नबलिका से हुए दुष्कर्म हादसे पर गहरी संवेदना प्रगट की है एवं दोषियों को पकङकर तुरंत कड़ी से कड़ी सजा देने के लिऐ सरकार एवं प्रशासन से मांग की है। गुरुद्वारा समिति के सभापति सरदार सुरेंद सिंह साहमी तथा महासचिव सरदार हरभजन सिंह खालसा ने इस अति अमनवीय घटना की घोर शब्दो में निंदा की हैं, उन्होंने इस हादसे को अत्यंत पीड़ादायक करार दिया है तथा पीड़ित किशोरी की शीघ्र स्वस्थ होने की वाहगेगुरु से प्राथना की है। तथा सरकार से दोषियों पर कड़ी कारवाई करने की मांग की।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी ने जॉब फेयर *युवा रोजगार मंच* का आयोजन किया

गुवाहाटी। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी ने जिला रोजगार कार्यालय, गुवाहाटी और एडुपुर, रोजगार सेवा प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से पिछले 21 अगस्त को गुवाहाटी केंद्र, जवाहर नगर, खानापारा, गुवाहाटी के परिसर में और 22 अगस्त 2024 को कोकराझाड़, सिलचर, तेजपुर, डिब्रूगढ़, जोरहाट और माजुली में संस्थान के विस्तार केंद्रों पर संस्थान के छात्रों के लिए ऑनलाइन मोड में एक जॉब फेयर का आयोजन किया। जॉब फेयर का उद्देश्य आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्ट स्किल्स आदि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में एनआईईएलआईटी के माध्यम से प्रशिक्षित विभिन्न नौकरी चाहने वालों को प्लेसमेंट के अवसर के लिए एक मंच प्रदान करना था और छात्रों को प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने का अवसर और एक्सपोजर प्रदान करना था। जॉब फेयर के उद्घाटन सत्र में एनआईईएलआईटी, गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक, रोजगार कार्यालय गुवाहाटी के सहायक निदेशक और सहायक रोजगार अधिकारी के साथ रोजगार कार्यालय गुवाहाटी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। एसआरईओ, एनसीएससी, गुवाहाटी, डीजीई, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार और एडुपुर ग्रुप के निदेशक के साथ-साथ नाइलिट गुवाहाटी के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। आईजॉब फेयर के लिए 500 से अधिक उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया, जिसमें 360 से अधिक उम्मीदवारों ने निर्धारित एक दिवसीय ऑफलाइन और ऑनलाइन साक्षात्कार में भाग लिया। आईटी, एफएमसीजी और रिटेल सहित विभिन्न क्षेत्रों की कुल 13 कंपनियों ने भाग लिया और प्लेसमेंट साक्षात्कार आयोजित किए। साक्षात्कार में शामिल लगभग 360 उम्मीदवारों में से 75 को विभिन्न कंपनियों द्वारा उनके संबंधित क्षेत्रों में विभिन्न नौकरी भूमिकाओं के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। इसके अलावा, एनआईईएलआईटी गुवाहाटी इस क्षेत्र के छात्रों और नौकरी चाहने वालों के अधिक हित के लिए निकट भविष्य में इसी तरह के नौकरी मेले आयोजित करने का प्रस्ताव रखता है।

किशोरी के साथ बलात्कार का आरोपी मुश्ताक गिरफ्तार

बाक्सा (हिंस)। गोरेश्वर में किशोरी से बलात्कार के मामले में आरोपी मुश्ताक हुसैन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात के समय गोरेश्वर पुलिस ने गेरुआ में छापा मारकर मुस्ताक हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। ज्ञात हो कि गिरफ्तार मुस्ताक पर गोरेश्वर के भोगपुर गांव की 13 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप था। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पीड़िता के परिवार द्वारा गोरेश्वर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद से पुलिस उसे पकड़ने के लिए अभियान चला रही थी। बीती देर रात को गोरेश्वर पुलिस ने छापा मारकर लपट मुस्ताक हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। आज पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

होजाई में श्री कृष्ण जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

होजाई (निसं)। जिले में श्री कृष्ण जन्माष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। श्री कृष्ण भक्तों ने अपने घरों में बालस्वरूप लड्डू गोपाल की पूजा अर्चना कर जन्माष्टमी मनाई एवं श्री कृष्ण से सुख, समृद्धि, खुशहाली की कामना की। स्थानीय ठाकुर बाड़ी रोड स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में जन्माष्टमी का त्यौहार मनाया गया। हमारे संवाददाता से बात करते हुए मंदिर के पुजारी सुनील शास्त्री ने बताया की हिंदू त्योहारों में जन्माष्टमी के त्यौहार का विशेष महत्व है। माना जाता है भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्री कृष्ण का जन्म भाद्र मास कृष्ण पक्ष में अष्टमी के रोहिणी नक्षत्र में रात्रि को बारह बजे हुआ था। उस दिन से ही कृष्ण जन्मोत्सव जन्माष्टमी के रूप से मनाई जाती है। वही शिवबाड़ी रोड स्थित श्री कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी का आयोजन धूमधाम के साथ हुआ। वही, होजाई के नूतून बाजार स्थित पुखरी घाट के नजदीक श्री श्री कृष्ण मंदिर में सोमवार मध्य रात्रि से छह दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस उपलक्ष पर मंदिर को सजाया गया। भक्तों द्वारा भजन कीर्तन किया गया। वहीं रात्रि 12 बाद भगवान श्री कृष्ण के जन्म होने के साथ पंडित द्वारा यजमान से भगवान श्री कृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद आरती का आयोजन किया। वहीं, भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण हुआ। उल्लेखयोग्य है, यह मंदिर होजाई जिले का इकलौता ऐसा मंदिर है जहां वासुदेव के सिर पर भगवान श्री कृष्ण टोकरी में विराजमान है और शेषनाग की छत्रछाया है। यहां के पुजारी ने बताया जन्माष्टमी के दौरान यह मंदिर आकर्षण का केंद्र रहता है अपनी अनोखी मूर्ति के कारण और यहां दूर-दूर से भक्तगण आते हैं और भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप का दर्शन कर अपने को पुण्य का भागी समझते हैं। श्री श्री कृष्णा मंदिर कमेटी के अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता ने हमारे संवाददाता को बताया कि हर वर्ष श्री श्री कृष्णा मंदिर कमेटी द्वारा यहां छह दिवसीय जन्माष्टमी का त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। जिस का समापन छठी पूजा यानी छठीयार के साथ होता है। इस दौरान हर साल भागवत कथा, भजन, हांडी फोड़ इत्यादि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते आए हैं।

संपादकीय

भारत विरोधी कश्मीर की बात

जम्मू-कश्मीर चुनाव के मद्देनजर नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अपने घोषणा-पत्र जारी किए हैं, जो बुनियादी तौर पर भारत-विरोधी लगते हैं। 1950 के दशक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और शेख अब्दुल्ला की अपनी-अपनी लड़ाइयां और सियासत थी। शेख अब्दुल्ला कश्मीर को 'इस्लामी सूबा' बनाने पर आमादा थे। उन्हें प्रधानमंत्री का दर्जा हासिल था। श्यामा प्रसाद ने 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की व्यवस्था के लिए संघर्ष किया। उनकी रहस्यमयी मौत आज भी एक सवाल है। अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने से पहले जम्मू-कश्मीर का अपना 'झंडा' था, अपना 'संविधान' था। कश्मीर में सर्वोच्च अदालत के फैसले भी लागू नहीं होते थे। भारतीय दंड संहिता की धाराएं भी निष्प्रभावी थीं। विधानसभा का कार्यकाल 6 साल होता था। रक्षा, विदेश, वित्त आदि मंत्रालय भारत सरकार के अधीन थे, लेकिन उनके अलावा कश्मीर के कानून और व्यवस्थाएं भिन्न थीं। आर्थिक संसाधनों और बजट के लिए जम्मू-कश्मीर भारत सरकार के सहारे ही था। सवाल होते रहते थे कि एक ही राष्ट्र में कश्मीर को यह 'विशेष दर्जा' क्यों हासिल है? दो-दो व्यवस्थाएं कैसे काम कर सकती हैं? मोदी सरकार ने ऐतिहासिक पहल की और 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने का बिल संसद से पारित करा दिया। अब 2024 में विधानसभा चुनावों की घोषणा की गई है, तो पुराने मुद्दों को नए संदर्भों में उठाया जा रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने अनुच्छेद 370, 35-ए की बहाली का आश्वासन दिया है। जम्मू-कश्मीर के 'अलग झंडे' की बात कही गई है। ऐसा है, तो आने वाली विधानसभा में 'अलग संविधान' का प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। इसके लिए दलीलें दी जाती रही हैं कि विलय के समझौता-पत्र में उल्लेख था कि कश्मीर का अपना 'अलग झंडा' और 'अलग संविधान' होगा। ये दलीलें कुतर्क हैं, क्योंकि विलय-पत्र में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। सियासतदानों को जरा पढ़ लेना चाहिए। बहरहाल पत्थरबाजों की दोबारा सरकारी नौकरी में बहाली होगी और जेल से सियासी कैदियों की रिहाई की जाएगी। ऐसे कैदियों को माफ भी किया जा सकता है। पाकिस्तान से सटी 'नियंत्रण रेखा' पर कारोबार की नई शुरुआत के साथ-साथ पाकिस्तान के साथ बातचीत और जनसंपर्क भी शुरू किया जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सोच के स्तर पर पाकपरस्त रही हैं, लेकिन सवाल है कि क्या एक विधानसभा ऐसे मुद्दों को पारित कर सकती है? विदेश और रक्षा नीतियां केंद्र सरकार तय करेगी अथवा संघशासित क्षेत्र की विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया जा सकता है? भारतीय संसद ने अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त किया था और सर्वोच्च अदालत ने भी उसे 'उचित, संवैधानिक निर्णय' माना था। तो विधानसभा चुनाव में पार्टियां इनकी बहाली और 'विशेष दर्जे' की वापसी का वायदा कैसे कर सकती हैं? यह सवाल नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पूछा गया था। उनका जवाब था कि आने वाली सर्वोच्च अदालत में कश्मीर की बुनियादी सोच वाले न्यायाधीश भी आ सकते हैं! केंद्र में मौजूदा सरकार की विदाई हो सकती है तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बन सकती है! हमने जम्मू-कश्मीर के अवाम को आश्वस्त किया है कि तब तक हम इंतजार करेंगे, लेकिन लड़ाई लगातार लड़ते रहेंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे। एक घोषणा-पत्र में कहा गया है कि 'शंकराचार्य के पर्वत' का इस्लामी नाम 'तख्त-ए-सुलिमान' रखा जाएगा। क्या कश्मीर को एक बार फिर 'इस्लामिक' बनाने के मंसूबे हैं? नेशनल कॉन्फ्रेंस तो शेख अब्दुल्ला की ही विरासत है, लिहाजा उनकी सियासत भी वही होगी।

श्यामा प्रसाद ने 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की व्यवस्था के लिए संघर्ष किया। उनकी रहस्यमयी मौत आज भी एक सवाल है। अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने से पहले जम्मू-कश्मीर का अपना 'झंडा' था, अपना 'संविधान' था। कश्मीर में सर्वोच्च अदालत के फैसले भी लागू नहीं होते थे। भारतीय दंड संहिता की धाराएं भी निष्प्रभावी थीं। विधानसभा का कार्यकाल 6 साल होता था। रक्षा, विदेश, वित्त आदि मंत्रालय भारत सरकार के अधीन थे, लेकिन उनके अलावा कश्मीर के कानून और व्यवस्थाएं भिन्न थीं। आर्थिक संसाधनों और बजट के लिए जम्मू-कश्मीर भारत सरकार के सहारे ही था। सवाल होते रहते थे कि एक ही राष्ट्र में कश्मीर को यह 'विशेष दर्जा' क्यों हासिल है? दो-दो व्यवस्थाएं कैसे काम कर सकती हैं? मोदी सरकार ने ऐतिहासिक पहल की और 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने का बिल संसद से पारित करा दिया। अब 2024 में विधानसभा चुनावों की घोषणा की गई है, तो पुराने मुद्दों को नए संदर्भों में उठाया जा रहा है।

हैवानियत को अंजाम तक पहुंचना चाहिए

धीमा न्याय निर्भयाओं को कर रहा कमजोर

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय महिला आयोग के एक अध्ययन में पाया गया कि कई कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समितियों का अभाव है , जो यौन उत्पीड़न अधिनियम को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं के भीतर भ्रष्टाचार, हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय में बाधा उत्पन्न कर सकता है, तथा प्रभावशाली अपराधी अक्सर रिश्वत या राजनीतिक संबंधों के माध्यम से कानूनी परिणामों से बच निकलते हैं। कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों और न्यायिक कर्मियों में लैंगिक मुद्दों पर पर्याप्त प्रशिक्षण और संवेदनशीलता का अभाव है, जिसके कारण पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पैदा होती है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों का अनुचित तरीके से निपटारा होता है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम (2013) जैसे प्रगतिशील कानूनों के अस्तित्व के बावजूद, निगरानी , जवाबदेही और संस्थागत समर्थन की कमी के कारण उनका कार्यान्वयन कमज़ोर बना हुआ है। राष्ट्रीय महिला आयोग के एक अध्ययन में पाया गया कि कई कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समितियों का अभाव है , जो यौन उत्पीड़न अधिनियम को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं के भीतर भ्रष्टाचार, हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय में बाधा उत्पन्न कर सकता है, तथा प्रभावशाली अपराधी अक्सर रिश्वत या राजनीतिक संबंधों के माध्यम से कानूनी परिणामों से बच निकलते हैं। कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों और न्यायिक कर्मियों में लैंगिक मुद्दों पर पर्याप्त प्रशिक्षण और संवेदनशीलता का अभाव है, जिसके कारण पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पैदा होती है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों का अनुचित तरीके से निपटारा होता है।

पुरुषों के वर्चस्व और महिलाओं पर नियंत्रण को प्राथमिकता देने वाले पितृसत्तात्मक मानदंड ,महिलाओं के खिलाफ हिंसा के जारी रहने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ये मानदंड अक्सर अपमानजनक व्यवहार को उचित ठहराते हैं या कम करते हैं, परिवार के पुरुष सदस्यों पर आर्थिक निर्भरता अक्सर महिलाओं को हिंसा सहने के लिए मजबूर करती है, क्योंकि अपमानजनक स्थिति से बाहर निकलने पर वित्तीय अस्थिरता या अभाव हो सकता है ।

विशेषकर यौन हिंसा के पीड़ितों को अक्सर सामाजिक कलंक और बहिष्कार का सामना करना पड़ता है, जो उन्हें अपराधों की रिपोर्ट करने या न्याय मांगने से हतोत्साहित करता है। मीडिया में महिलाओं और हिंसा के बारे में प्रस्तुतीकरण अक्सर मामलों को सनसनीखेज बना देता है, कभी-कभी मुद्दे की गंभीरता को कमतर आंकता है या पीड़ितों के बारे में नकारात्मक रूढ़िवादिता को मजबूत करता है। विशेष रूप से यौन हिंसा की रिपोर्टिंग से होने वाले रुढ़िवादी सांस्कृतिक कलंक के कारण कम रिपोर्टिंग होती है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों के प्रवर्तन में बाधा आती है। यौन हिंसा की अनुमानित घटनाओं और रिपोर्ट किए गए

मामलों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर दिखाता है, जो रिपोर्टिंग में सांस्कृतिक बाधाओं को उजागर करता है। अपर्याप्त फंडिंग और स्टाफिंग सहित संस्थागत संसाधन की कमी , कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों का जवाब देने की क्षमता को सीमित करती है।

कई पुलिस स्टेशनों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों को संभालने के लिए समर्पित महिला अधिकारियों या विशेष प्रकोष्ठों की कमी है , जिसके कारण मामले को ठीक से नहीं निपटा जा पाता है। राजनीतिक प्रभाव और भ्रष्टाचार के कारण अक्सर कानूनों का चयनात्मक प्रवर्तन होता है , जहां शक्तिशाली व्यक्तियों से जुड़े मामलों को या तो दबा दिया जाता है या खराब तरीके से जांच की जाती है। महिलाओं में कानूनी जागरूकता की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, न्याय पाने की उनकी क्षमता को सीमित करती है और इसके परिणामस्वरूप उन्हें बचाने के लिए बनाए गए कानूनों का कम उपयोग होता है। कई महिलाएं महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के तहत अपने अधिकारों से अनजान हैं , जिसके कारण रिपोर्ट करने और कानूनी सहारा लेने की दर कम है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण , संवेदनशीलता और संसाधन आवंटन के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिएः पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो द्वारा आयोजित पुलिस अधिकारियों के लिए नियमित लिंग संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम , महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों से निपटने में सुधार कर सकते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करने जैसी आर्थिक सशक्तिकरण पहल , महिलाओं की अपमानजनक रिश्तों पर निर्भरता को कम कर सकती है और उन्हें अपने अधिकारों का दावा करने में सक्षम बना सकती है। सरकार और नागरिक समाज संगठनों को महिलाओं के बीच कानूनी साक्षरता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, ताकि वे अपने अधिकारों और उनके लिए उपलब्ध कानूनी रास्तों के बारे में जागरूक हों। महिला अधिकार पहल जैसे गैर सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित कानूनी जागरूकता शिविर महिलाओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के बारे में शिक्षित करने में मदद करते हैं ।

सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम जो पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देते हैं और लैंगिक समानता को बढ़ावा देते हैं , एक सांस्कृतिक बदलाव ला सकते हैं जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा को हतोत्साहित करता है। संस्थानों के अंतर्गत मजबूत निगरानी और जवाबदेही तंत्र स्थापित करने से यह सुनिश्चित हो सकता है कि कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और किसी भी चूक को तुरंत संबोधित किया जाए। कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समितियों की स्थापना , जैसा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 द्वारा अनिवार्य है , अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित ऑडिट के साथ, कानून की प्रभावशीलता में सुधार कर सकता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो संस्थागत और सामाजिक दोनों कारकों से निपटता है। कानून प्रवर्तन को मजबूत करना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और सांस्कृतिक परिवर्तन को बढ़ावा देना महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में आवश्यक कदम हैं । सरकार, नागरिक समाज और समुदायों के ठोस प्रयासों से, भारत एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ सकता है जहाँ महिलाएँ भय और हिंसा से मुक्त रहें , उनके अधिकार और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित हों ।

दृष्टि कोण

वैदिक ज्ञान व संस्कृत भाषा की कालातीत यात्रा

संस्कृत जिसे 'देवताओं की भाषा' के रूप में जाना जाता है, संसार की सबसे प्राचीन भाषा है, जिसने भारतीय सभ्यता को आकार दिया है और आधुनिक समय में भी इसकी प्रासंगिकता जारी है। यह केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिकता का गहरा भंडार है। संस्कृत वह माध्यम है जिसके माध्यम से प्राचीन वैदिक ग्रंथों, उपनिषदों, पुराणों और विभिन्न अन्य शास्त्रों की रचना की गई, जिससे यह सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की आधारशिला बन गई। रक्षा बंधन से तीन दिन पहले शुरू होने वाला और तीन दिन बाद समाप्त होने वाला संस्कृत सप्ताह श्रावण की पूर्णिमा के दिन के साथ मेल खाता है, जो भारतीय पारंपरिक कैलेंडर में एक शुभ अवधि को चिह्नित करता है। यह उत्सव न केवल संस्कृत भाषा संवर्धन के लिए एक शुभ अवधि है, बल्कि प्राचीन वैदिक ज्ञान के समृद्ध भंडार में तल्लीन करने का एक अवसर भी है, जो संस्कृत सप्ताह प्रदान करता है। सप्ताह अकादमिक गतिविधियों, साहित्यिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और बहुत कुछ से भरा है, जिसका उद्देश्य इस प्राचीन भाषा को बढ़ावा देना और संरक्षित करना है। संस्कृत को अक्सर मानव सभ्यता की सबसे पुरानी भाषा के रूप में वर्णित किया जाता है, जिसकी जड़ें हजारों साल पुरानी हैं। यह वह भाषा है जिसमें दुनिया के सबसे पुराने ज्ञात ग्रंथ ऋग्वेद की रचना की गई थी। संस्कृत सिर्फ एक भाषा से अधिक है, यह एक विशाल बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपरा का अवतार है, जिसने भारत और उसके बाहर जीवन के अनगिनत पहलुओं को प्रभावित किया है। संस्कृत भाषा को हिंदू धर्म में देवताओं की भाषा के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिसका उपयोग अनुष्ठानों, प्रार्थनाओं और समारोहों में किया जाता है, जो व्यक्तियों को परमात्मा से जोड़ते हैं। संस्कृत की संरचना इतनी सटीक है और इसकी ध्वन्यात्मकता इतनी समृद्ध है कि इसे आध्यात्मिक प्रवचन के लिए सबसे उपयुक्त भाषा माना जाता है। वैदिक परंपरा, जो सनातन धर्म की नींव बनाती है, अपने पवित्र ज्ञान के प्रसारण के लिए संस्कृत पर बहुत अधिक निर्भर करती है। वैदिक परंपरा में, 16 संस्कार (पारित होने के संस्कार) हैं, जो महत्वपूर्ण अनुष्ठान हैं जो किसी व्यक्ति को जन्म से मृत्यु तक मार्गदर्शन करते हैं। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण उपनयन संस्कार 10वां संस्कार है, जो एक बच्चे की औपचारिक शिक्षा की शुरुआत का प्रतीक है। यह अनुष्ठान आमतौर पर श्रावण पूर्णिमा पर किया जाता है। उसी दिन इस समारोह के दौरान, संस्कृत में गायत्री मंत्र के पाठ के साथ बच्चे को वैदिक शिक्षा में दीक्षित किया जाता है। यह दीक्षा ज्ञान और आध्यात्मिक शिक्षा की दुनिया में बच्चे के प्रवेश का प्रतीक है, जो व्यक्तियों के शैक्षिक और आध्यात्मिक जीवन में संस्कृत के महत्व को रेखांकित करती है। संस्कृत की प्रासंगिकता प्राचीन ग्रंथों और अनुष्ठानों तक ही सीमित नहीं है। यह आधुनिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है, विशेष रूप से भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन के साथ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान प्रणालियों को शामिल करने पर जोर देती है, जिनमें से संस्कृत एक अभिन्न अंग है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 संस्कृत को आधुनिक शिक्षा, समकालीन विद्वानों और प्राचीन भारतीय ज्ञान के विशाल भंडार के बीच एक सेतु के रूप में पहचानती है। भारत सरकार 1969 से संस्कृत दिवस मना रही है, और 2000 में, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान, संस्कृत सप्ताह की आधिकारिक घोषणा की गई थी। इस उत्सव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और अधिक महत्व मिला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा में संस्कृत की भूमिका को और मजबूत किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा को एक अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया गया है, जिसमें प्राचीन ग्रंथों, शास्त्रों और दर्शनों के अध्ययन पर जोर दिया गया है, जो मुख्य रूप से संस्कृत में है। संस्कृत को आधुनिक तकनीक में अपनी क्षमता के लिए भी तेजी से पहचाना जाता है, विशेष रूप से कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में। भाषा का संरचित वाक्यविन्यास और व्याकरण इसे प्रोग्रामिंग भाषाओं के लिए एक उत्कृष्ट भाषा बनाता है और इसका उपयोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों में खोजा जा रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका सहित दुनिया भर के देश, जहां नासा जैसे संस्थानों ने रुचि दिखाई है, विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में संस्कृत की क्षमता का पता लगाने लगे हैं। संस्कृत सप्ताह भाषा को उसके सभी पहलुओं (साहित्यिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक) में मनाने का समय होता है।

कुछ अलग

ये वट्सऐप के प्लास्टिक रिश्ते

हममें से शायद सभी वट्सऐप पर किसी न किसी पारिवारिक ग्रुप के सदस्य ज़रूर होंगे। चाचा और मामा परिवार के अलग ग्रुप तो ससुराल के भी दोनों पक्षों के मिलाकर हर व्यक्ति चार से पांच फैमिली ग्रुप का सदस्य तो है ही। इन ग्रुप्स में साल भर बर्थडे और एनिवर्सरी की बधाइयों के साथ तस्वीरें और विडियो फॉरवर्ड का सिलसिला चलता रहता है। परिवार में किसी की शादी हो लेकिन दूरी या व्यस्तता की वजह से न जा पाएं तो ग्रुप में आने वाली फोटोज़ और विडियोज़ के ज़रिए ही लगता है कि हम भी फंक्शन में शामिल हो गए। इन ग्रुप्स का यही फायदा है कि अलग-अलग शहरों या विदेश में होकर भी पूरा परिवार हमेशा आपस में जुड़ा रहता है। लेकिन अहम सवाल यह है कि क्या परिवार के ये सदस्य आपस में दिल से भी जुड़े हैं? या इनमें रिश्ते बस अपनी फोटो या कुछ पोस्ट शेयर और लाइक करने तक ही सीमित रह गए हैं? पुराने ज़माने में भले ही साल में एक बार मिलते थे लेकिन उसकी यादें जीवन भर साथ रहती थीं। नौकरी के सिलसिले में दूर जा बसे सभी लोग परिवार में किसी शादी के अवसर पर गांव में इकट्ठे होते थे। चार-पांच दिनों तक ढेर सारी मस्ती होती थी। चचेरे, ममेरे भाई-बहनों से जीवन भर के आत्मीय रिश्ते बनते थे। साल भर तक वह रिश्ता चिट्ठियों के माध्यम से आगे बढ़ता था। आज तो इन ग्रुप्स के ज़रिए हम हर रोज़, हर पल कनेक्टेड हैं, लेकिन फिर भी एक अधूरापन सा लगता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि रोज़ की ऑनलाइन मुलाकात के बाद भी शायद ही कोई एक दूसरे के बारे में वाकई कुछ जानता है या जानना चाहता है। रिश्तों का असल मतलब तो एक-दूसरे से अपने सुख-दुख शेयर करने में ही है। लेकिन ऑनलाइन तो सब अच्छा ही दिखाना चाहते हैं। कहां घूमने गए, कहां पार्टी की या शादी में कितनी मस्ती की। कोई भी यह नहीं बताता कि उसकी ज़िंदगी में असल में चल क्या रहा है, घर-परिवार या नौकरी में कोई समस्या तो नहीं? लेकिन जब आमने-सामने मुलाकात होती थी तो बिना हिचक एक दूजे से अपने दिल की हर बात शेयर कर लेते थे। अब दिल की बात शेयर करना तो दूर, फैमिली ग्रुप्स में रिश्ते ही प्लास्टिक होते जा रहे हैं। इस हद तक कि इनमें संवेदनशीलता की कमी झलकने लगी है। जैसे हाल ही में मैंने महसूस किया। एक दिन परिवार में किसी का निधन हो गया। जानकारी मिलते ही ग्रुप के सभी सदस्यों ने दुख जताते हुए संदेश डालने शुरू कर दिए। लेकिन यह माहौल मुश्किल से एक दिन ही रह पाया। अगली सुबह देखा तो उसमें एक फनी विडियो आया हुआ था, जिस पर कई सदस्यों ने लोट कर हंसने वाले इमोजी तक डाल दिए। माथा ठनका कि कल रात तक हम दुख जता रहे थे और अगली सुबह जोक कैसे डाल सकते हैं। दोपहर होने तक तो ग्रुप वापस अपने पुराने स्वरूप में लौट आया। वहां हंसी मज़ाक के साथ ही जन्मदिन की बधाइयों का सिलसिला भी शुरू हो गया। अब कोई कह सकता है कि जीवन तो चलने का ही नाम है। किसी के जाने से बाकियों की ज़िंदगी तो नहीं रुक जाती। बात सही है, लेकिन जब हम किसी बड़े ग्रुप का हिस्सा होते हैं तो इतना ध्यान रखना ही चाहिए कि कुछ देर ऐसे पोस्ट न शेयर करें, खासकर जब ग्रुप में वह परिवार भी है, जो अपने करीबी को खोने के बाद उस वक्त गहन वेदना से गुज़र रहा है। कुछ देर के संयम की ही तो बात है, बाकी तो साल भर यहां जन्मदिन और फॉरवर्ड का खेल ही खेलना है।

देश दुनीया से

खाद्य कीमतों पर सतर्कता जरूरी

वित्त मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आर्थिक रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई 2024 में दक्षिण पश्चिमी मानसून में प्रगति के कारण खरीफ की बोआई अच्छी हुई है और खाद्य पदार्थों की महंगाई दर में और कमी आ सकती है। इसी तरह पिछले दिनों 19 अगस्त को रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि यद्यपि देश में बेहतर मानसून, अच्छे मौद्रिक प्रबंधन और सरकार के द्वारा तत्परता से महंगाई नियंत्रण के उपायों से महंगाई घटने का सुकूनदेह परिदृश्य दिखाई दे रहा है, लेकिन अभी भी खाद्य कीमतों पर सतर्कता जरूरी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि महंगाई सरकार की चिंता बनी रही है और अब सरकार ने संकेत दिया है कि महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढ़ती रहेगी।

हाल ही में 22 अगस्त को वित्त मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आर्थिक रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई 2024 में दक्षिण पश्चिमी मानसून में प्रगति के कारण खरीफ की बोआई अच्छी हुई है और खाद्य पदार्थों की महंगाई दर में और कमी आ सकती है। इसी तरह पिछले दिनों 19 अगस्त को रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि यद्यपि देश में बेहतर मानसून, अच्छे मौद्रिक प्रबंधन और सरकार के द्वारा तत्परता से महंगाई नियंत्रण के उपायों से महंगाई घटने का सुकूनदेह परिदृश्य दिखाई दे रहा है, लेकिन अभी भी खाद्य कीमतों पर सतर्कता जरूरी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि महंगाई सरकार की चिंता बनी रही है और अब सरकार ने संकेत दिया है कि महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढ़ती रहेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वर्ष 2024-25 के बजट के तहत शीघ्र खराब होने वाले सामान की बाजार में समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। बजट के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को दाम स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के लिए 10000 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जहां इस कोष का उपयोग दाल, प्याज और आलू के बफर स्टॉक को रखने के लिए किया जाएगा, वहीं जरूरी होने पर इन अन्य खाद्य वस्तुओं के बढ़े दामों को नियंत्रित करने के लिए भी इस कोष का इस्तेमाल किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि 14 अगस्त को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक थोक महंगाई जुलाई 2024 में घटकर तीन महीने के निचले स्तर 2.04 प्रतिशत पर आ गई। यह जून में 3.36 प्रतिशत थी। खास बात यह भी है कि 12 अगस्त को जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई के आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2024 में खुदरा महंगाई दर घटकर 3.54 फीसदी रह गई है, जबकि जून 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.08 प्रतिशत थी। सुकूनदेह स्थिति यह है कि खुदरा महंगाई दर पिछले 5 वर्षों के सबसे कम और रिजर्व बैंक के द्वारा निर्धारित 4 प्रतिशत के लक्ष्य से भी नीचे आ जाने से अर्थव्यवस्था को मजूबती मिलते हुए दिखाई देगी। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि बेहतर मानसून से खाद्यान्नों, फलों, सब्जियों विशेषतया आलू, प्याज और टमाटर आदि की कीमतों में बड़ी कमी आने से खुदरा महंगाई दर में कमी आई है। पिछले दिनों 8 अगस्त को आरबीआई ने देश में बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मौद्रिक नीति समीक्षा के तहत रेपो रेट को पहले की तरह 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। यह लगातार 9वीं बार है जब मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट को यथावत रखने का फैसला किया गया है। आखिरी बार रेपो रेट में फरवरी 2023 में बदलाव किया गया था। इस मौद्रिक नीति समीक्षा के तहत तेज विकास दर की बजाय महंगाई नियंत्रण को प्राथमिकता दी है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि निरंतर आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए अभी भी महंगाई पर स्पष्ट तरीके से ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। रिजर्व बैंक और सरकार के समन्वित प्रयासों से महंगाई नियंत्रण के लगातार रणनीतिक कदम जरूरी हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक वर्ष 2024-25 के बजट के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को दाम स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के लिए जो धनराशि सुनिश्चित की गई है, उससे खाद्य भंडारण से जुड़ी एजेंसियों को धन मुहैया कराया जाएगा, ताकि वे उपयुक्त भंडारण बनाने के लिए किसानों के खेत या मंडी से सीधे खरीददारी कर सकें। इसके अलावा नए बजट के तहत इस वर्ष खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग के लिए ऋणों की राशि दोगुनी करके 50000 करोड़ रुपए सुनिश्चित की गई है। निःसंदेह नए बजट के तहत कई ऐसे प्रावधान हैं जिनसे अधिक खाद्यान्न उत्पाद और महंगाई नियंत्रण को प्रोत्साहन मिलेगा। प्राकृतिक खेती पर भारी प्रोत्साहन सुनिश्चित किए गए हैं और आगामी दो वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। देशभर में 10 हजार बायो इनपुट सेंटर बनाए जाएंगे, जहां से प्राकृतिक खेती की गतिविधियां संचालित होंगी। मौसम की मार के कारण खराब होने वाली फसलों के लिए समर्थन राशि बढ़ाई जाने से कृषि को नया प्रोत्साहन मिलेगा। नए बजट में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, दलहन-तिलहन की पैदावार बढ़ाकर और किसानों की आय बढ़ाने, बीज की समस्या के निराकरण और मुख्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित होने जैसे मामलों की चुनौतियों को कम करने के साथ-साथ कृषि शोध के विकास के लिए ज्यादा प्रावधान किए हैं। गौरतलब है कि 11 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) परिसर के खेतों में जाकर 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्में जारी करते हुए कहा कि इनसे देश में कम जमीन में अधिक पैदावार लेने और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। इससे महंगाई से भी बचाव होगा।

आप का नजरीया

कीव यात्रा के मायने

कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा पूर्वी व पश्चिमी देशों के बीच कूटनीतिक संतुलन साधने की कवायद भर है। यह यात्रा भारतीय विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण क्षण रहा। जो एक ओर रूस के साथ ऐतिहासिक संबंधों को बनाये रखना तथा दूसरी ओर पश्चिम के साथ बढ़ते जुड़ाव के बीच संवेदनशील संतुलन बनाने की कोशिश है। दरअसल, मोदी की यूक्रेन यात्रा कुछ समय पहले संपन्न मास्को यात्रा के बाद हुई । जो रूस-यूक्रेन संघर्ष की जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की भारत की संवेदनशील पहल को ही दर्शाती है। दशकों से रूस भारत का आजमाया दोस्त है। रूस से बेहतर संबंध हमारी विदेशी नीति की आधारशिला भी रही है। विशेष रूप से रक्षा उत्पादों के क्षेत्र में, तमाम रक्षा उपकरण व कलपुर्जों को लेकर भारत रूस पर निर्भर रहा है। मोदी की रूस यात्रा ने जहां दोनों देशों के रिश्तों को नये आयाम दिए, वहीं पश्चिम को यह संदेश भी दिया कि रणनीतिक स्वायत्तता पर हम बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करेंगे। वहीं यूक्रेन के साथ सीधे जुड़ना विश्व बिरादरी को यह संदेश देने का प्रयास भी है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता को बनाये रखने का पक्षधर है। जो कि वैश्विक शांति व सुरक्षा के मौलिक तत्व भी हैं। वह बात अलग है कि मोदी की रूस यात्रा के बाद यूक्रेन व पश्चिमी देशों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई थी। मोदी की यूक्रेन यात्रा को उसी घटनाक्रम के आलोक में देखा जा सकता है। बहरहाल, कहा जा सकता है कि इस तरह भारत ने यूक्रेन से जुड़ाव के जरिये जहां अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान किया है, वहीं मास्को यात्रा से रूस के साथ परंपरागत संबंधों को कुशलतापूर्वक बनाये रखने में सफलता हासिल की है। भारत ने प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा से पश्चिम की चिंताओं को भी दूर किया है। वैश्विक कूटनीति में यह संतुलन बनाना बेहद जटिल कार्य है। दरअसल, भारत पूर्व व पश्चिमी खेमे से खुद को अलग रखकर अपनी कूटनीति के आधारभूत तत्व गुटनिरपेक्षता की नीति को भी बनाये रखना चाहता है। भारत ने प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा के जरिये यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों को यह संदेश देने का भी प्रयास किया है कि भारत यूक्रेन के संघर्ष के प्रति उदासीन नहीं है। यह भी कि भारत शांति के लिये होने वाली बातचीत में शामिल होने का इच्छुक है। वहीं दूसरी ओर यूक्रेन के साथ कई समझौतों में भागीदारी भारत के लिये ऊर्जा सुरक्षा और यूरोप के साथ आर्थिक संबंधों के हेतु नये रास्ते खोल सकती है। वह भी ऐसे समय में जब पश्चिम रूसी ऊर्जा पर अपनी निर्भरता कम करना चाह रहा है। जिसमें भारत को कूटनीतिक व महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ मिल सकते हैं। बहरहाल, मोदी की मास्को व कीव की यात्राएं भारत की कूटनीतिक महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित करती हैं। जिसमें सावधानी से पूर्व-पश्चिम में संतुलन साधने का सार्थक प्रयास हुआ है। जो तेजी से ध्रुवीकृत होती दुनिया में अपने रणनीतिक हितों को साधने की सफल कोशिश भी है। वहीं बातचीत से शांति स्थापना के प्रयासों के लिये हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

कंगना रनौत की फिल्म *इमरजेंसी* का विरोध, कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

सिखों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

गाजियाबाद (हिंस)। सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (जीएसजीपीसी) कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। जीएसजीपीसी ने जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजकर कंगना रनौत की फिल्म *इमरजेंसी* पर रोक लगाने की मांग की है। कमेटी के अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह ने कहा कि इस फिल्म के जरिए 1984 में सिखों को मिले जख्मों को कुरेदकर बैर बढ़ाने का काम किया गया है। इस फिल्म की रिलीज पर रोक लगाई जाए अन्यथा हमें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सिखों की सबसे बड़ी संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी इस फिल्म को लेकर अपना रुख साफ कर चुकी है। हम मांग करते हैं इस फिल्म को बैन किया जाए। सरदार मनजीत सिंह ने कहा कि इमरजेंसी फिल्म के ट्रेलर ने फिल्म की पूरी कहानी बयां कर दी है। फिल्म में सिखों को जालिम किस्म का दिखाया गया है। जो 1984 का दंगा 40 साल पहले हम भूल चुके हैं, उसकी याद ताजा कराकर कंगना रनौत ने देश में नफरत फैलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सिखों की कुर्बानियों को तो फिल्मों में दिखाया नहीं जाता, उन्हें जालिम और निर्दयी दिखाया जाता है। इस देश में सिखों की कुर्बानियां 90 प्रतिशत हैं। आज तीन करोड़ की आबादी आठ करोड़ को लंगर खिला रही है, वह नहीं बताया जाता। किसान आंदोलन को लेकर दिए गए बयान पर भी सरदार मनजीत सिंह ने कंगना रनौत को घेरा। कंगना ने कड़हा कि किसान आंदोलन में लड़कियों के साथ रेप किया जाता था और रेप कर वहां लाशें टांग दी जाती थीं। इतना भद्दा, ऐसा बयान हिंदुस्तान की एक सांसद दे रही है, पार्टी उस बयान से किनारा कर पल्ला झाड़ रही है, मगर हम किसानों का यह अपमान कैसे बर्दाश्त करें। कंगना रनौत को पार्टी से निकालकर लोकसभा की सदस्यता खत्म कर देनी चाहिए। हमारे ज्ञापन के बाद भी यदि *इमरजेंसी* फिल्म पर रोक नहीं लगाई गई तो हमें अगला कदम उठाना पड़ेगा। गाजियाबाद सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से कंगना रनौत के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि फिल्म इमरजेंसी के ट्रेलर से यह स्पष्ट है कि इसमें जान बूझकर सिखों के चरित्र को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जो एक गहरी साजिश का हिस्सा है। पूर्व में भी कंगना रनौत सिखों और सिख संस्थाओं के खिलाफ बयान बाजी करती रही हैं, जिसका बड़े पैमाने पर विरोध भी होता रहा है। प्रदर्शन के दौरान तेजपाल सिंह बंटू, भूपेंद्र सिंह कालरा, जोगेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह जॉली, हरदीप सिंह कोहली, जगतार सिंह भट्टी, रविंदरजीत सिंह, चरणजीत सिंह, दलजीत सिंह टिमी, सुरजीत सिंह टीटू, जसवीर सिंह बत्रा, कमलजीत सिंह, गुरचरण सिंह, हरपाल सिंह, हरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह कोहली, मनजीत सिंह सेठी, जसबीर सिंह सलूजा, कुलवंत सिंह, परसोत्तम सिंह, जोगेंद्र सिंह बग्गू, हरदीप सिंह, ज्ञानी निर्मल सिंह, अमरजीत सिंह, भूपेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह जनकपुरी, धर्मेंद्र सिंह सोहल, अशोक मरवाह, रूपेंद्र सिंह स्वीटी, अवतार सिंह, आनंद मोहन पाल सिंह और सरदार जगमीत सिंह मुख्य रूप से शामिल रहे।

फिल्म *इमरजेंसी* से सिखों की भावनाएं भड़काने वाले दृश्य काटने की मांग

चंडीगढ़ (हिंस)। सिखों की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कंगना रानौत की फिल्म *इमरजेंसी* का विरोध करते हुए निर्माताओं को नोटिस भेजकर सिखों की भावनाओं को भड़काने वाले दृश्य काटने की मांग की है। एसजीपीसी के कानूनी सलाहकार अमनबीर सिंह स्याली की तरफ से भेजे गए नोटिस में फिल्म के जारी किए गए ट्रेलर को सार्वजनिक प्लेटफार्म से हटाकर लिखित माफी मांगने के लिए कहा गया है। एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने कहा कि कंगना रानौत की फिल्म इमरजेंसी के संबंध में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव तथा सेंसर बोर्ड के चेयरमैन प्रसून जोशी को भी पत्र लिखा गया था। इन पत्रों पर कोई कार्रवाई नहीं होने के बाद एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी के निर्देशानुसार कंगना रानौत की फिल्म को लेकर नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रेलर जारी होने के बाद ही सिख संगत में भारी रोष है। नोटिस के बाद अगर आपत्तिजनक दृश्य नहीं हटाए गए तो एसजीपीसी की ओर से कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

450 बसों के थमे चक्के, 25 हजार यात्री प्रभावित दिखा निजी बस ऑपरेटर की हड़ताल का असर

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले में मंगलवार को की गई निजी बस ऑपरेटर की हड़ताल का खासा असर देखने को मिला है। एक तरफ जहां यात्रियों को गंतव्य पर जाने के लिए बसों का इंतजार करना पड़ा तो सरकार को भी राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा है। जिन मार्गों पर रोडवेज या ऑटो नहीं चलते हैं उन मार्गों पर तो निजी बस बंद होने से लोगों को यात्रा ही निरस्त करनी पड़ी है। जिले के विभिन्न मार्गों पर करीब 450 बस संचालित होती है तथा करीब 25 हजार यात्री इस हड़ताल से प्रभावित हुए हैं। जानकारी में सामने आया कि बस ऑपरेटर्स राजस्थान की 24 सूत्रीय मांग पत्र पर प्रदेश सरकार कोई उचित निर्णय नहीं ले पाई। इससे पूर्व एसोसिएशन ने 19 अगस्त रक्षाबंधन के दिन प्रदेश की समस्त निजी बस बंद रख कर अपना विरोध प्रकट करना था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों से वार्ता कर इसके लिए मुख्यमंत्री राजस्थान से बात कर एसोसिएशन की मांग पत्र पर विचार करने के लिए 2 से 3 दिन का समय मांगा था। यह समयावधि गुजरने के बाद अब तक सरकार ने कोई निर्णय किया। इसी क्रम में मंगलवार को बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के आव्हान पर चित्तौड़गढ़ प्राइवेट बस एसोसिएशन ने जिले की समस्त निजी बसें बंद रख कर हड़ताल की। चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर पन्नाधाय निजी बस स्टैंड है, जहां पर बसों का जमावड़ा देखने को मिला। चित्तौड़गढ़ से उदयपुर, भीलवाड़ा, कोटा, निंबाहेड़ा, राशमी, कपासन, मध्यप्रदेश के नीमच और मंदसौर सहित अन्य मार्गों पर जाने के लिए यात्री प्रतीक्षा करते देखे गए हैं। वहीं सबसे बड़ी समस्या चित्तौड़गढ़ जिले के प्रख्यात कृष्ण धाम श्री सांवलियाजी में देखने को मिली है। इन दिनों यहां जन्माष्टमी का मेला लग रहा है और हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शनार्थ आए हुए हैं। निजी बसों के बंद होने से श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य पर जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा है। निजी बस ऑपरेटर संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि स्पेशल बुकिंग पर जाने के लिए अलग से परमिट जारी करवाना होता है। निजी बस ऑपरेटर ने स्पेशल बुकिंग के लिए परमिट जारी नहीं करवाएं, जिससे भी सरकार को करीब 2 लाख के राजस्व का नुकसान हुआ है। डेली रूटीन की बसों के परमिट की जो राशि है वह हर माह एक साथ जमा हो जाती है। इधर, निजी बस बंद होने का असर रोडवेज पर दिखाई दिया। रोडवेज की बसों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले अधिक थी और काफी परेशानी का सामना करते हुए यात्रियों को सफर करना पड़ा है। इधर, निजी बस ऑपरेटर ने जिला कलक्टर कार्यालय पहुंच कर अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा है। इस दौरान चित्तौड़गढ़ प्राइवेट बस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश डूंगरवाल, शंभूलाल वैष्णव, सचिव इरशाद मोहम्मद आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने लाखों युवाओं का भविष्य को किया बर्बाद : नायब सिंह सैनी

रोहतक (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में युवाओं का उपयोग होता था और उपयोग करने के बाद उन्हें उनके हालात पर छोड़ दिया जाता था। गरीब युवा तो कांग्रेस की सरकार में नौकरी से कोसो दूर रहता था। कांग्रेस में युवाओं का भविष्य अंधकार में रहता था और लाखों युवाओं का भविष्य कांग्रेस ने बर्बाद किया है। कांग्रेस और हुड्डा ने युवाओं को सब्जबाग दिखाए, लेकिन किया कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि आज युवा ऐसे विचार से जुड़े हैं, जिस विचार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में खड़ा कर दिया है। मंगलवार को सीएम नायब सैनी मंगल कमल में आयोजित युवा सदस्यता ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान काफी संख्या में युवा और छात्र नेता पार्टी में शामिल हुए और एक स्वर में सभी ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार नायब सरकार बनकर रहेगी। मुख्यमंत्री ने पार्टी में शामिल होने वाले युवाओं को विश्वास दिलाया कि पार्टी में उन्हें पूरा मान सम्मान दिया जाएगा, युवाओं के सुझाव पर भाजपा चलेगी। युवा सदयस्ता ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में युवा नौकरी के विधायकों और मंत्रियों के चक्कर काटते थे, नौकरी मिल भी जाती थी तो रुपयों का जुगाड़ करना पड़ता था। गरीब परिवारों के युवा तो नौकरी से कोसो दूर रहते थे, लेकिन जब से भाजपा सरकार बनी है, किसी भी युवा को नौकरी के लिए किसी विधायक या मंत्री के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ती। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सभी युवाओं को पता है कि पहली सरकारों में मुख्यमंत्री से मिलने के लिए कोई दलाल ढूंढना पड़ता था या सीएम का कोई चमचा तलाशना पड़ता था। लेकिन भाजपा में ये चलन नहीं है। आज जिन युवाओं ने भी भाजपा का दामन थामा है उनसे भी कहना चाहूंगा कि बेशक आप पार्टी में नए हों, लेकिन मुझसे किसी भी समय आकर मिल सकते हो।

प्रदेश में एक सितंबर से 25 अक्तूबर तक चलाया जाएगा सड़क मेंटीनेंस कैंपेन : दीया कुमारी

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में बरसात से खराब हुई सड़कों को ठीक करने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा एक सितंबर से 25 अक्तूबर तक रोड मेंटिनेंस कैंपेन चलाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दीया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कैंपेन के दौरान कार्यों की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए और कामों को निर्धारित अवधि में पूरा करवाया जाए। उन्होंने बताया कि कैंपेन के दौरान सड़क मरम्मत कार्यों के साथ दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने का काम प्राथमिकता से किया जायेगा। सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। बारिश के दौरान जहां सड़कें टूट गई है, वहां सड़कें दुरूस्त कर यातायात को तुरंत बहाल किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में भारी बारिश व बाढ़ के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई है, उनको आपदा राहत कोष से ठीक करवाने के प्रस्ताव बनाकर जिला कलेक्टर को भिजवाए जाएंगे। जेईएन और एईएन द्वारा सड़कों के गड्ढों, पैच का प्रारंभिक स्थिति निरीक्षण किया जाएगा। पैच मरम्मत के लिए संबंधित

अधिकारी अभियंता उपखंड या निर्धारित क्षेत्र के लिए 30 अगस्त तक दर अनुबंध करेंगे। पेच मरम्मत का कार्य एक सितंबर से शुरू किया जाएगा जो कि हर हाल में 25 अक्तूबर तक पूरा करना होगा। ठेकेदारों को काम शुरू करने से पहले और काम पूरा होने के बाद सड़क की डिजिटल फोटो और वीडियोग्राफी करवानी होगी। ठेकेदार द्वारा पैचिंग से पहले पैच की मार्किंग और नंबरिंग करवाना अनिवार्य है। गारंटी अवधि की सड़कों का रख रखाव न करने वाले ठेकेदारों को एक अगस्त से नोटिस जारी किए जा चुके हैं, जिनका कार्य एक सितंबर से शुरू कर 5 अक्तूबर तक पूरा करना है। इस दौरान मूल ठेकेदार द्वारा नोटिस का उचित जवाब नहीं दिया जाता है तो मूल अनुबंध की दर पर उक्त काम किसी अन्य एजेंसी से करवाया जाएगा। गारंटी अवधि की सड़कों की मरम्मत उसी गुणवत्ता और सामग्री से की जानी है, जो निर्माण के दौरान उपयोग में लाई गई है। अधिशासी अभियंता कोल्ड्रिंक सामग्री से पेच मरम्मत की अनुमति दे सकते हैं। गहरे गड्ढों की मरम्मत केवल डब्ल्यूबीएम-डब्लयूबीएम द्वारा करनी होगी। कैंपेन के दौरान सड़क सुरक्षा कार्य जैसे किलोमीटर स्टोंस पर पेंटिंग, रोड साइनेज, स्पीड ब्रेकर मार्किंग आदि का कार्य भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभाग के स्तर पर लेबर के माध्यम से सड़क किनारे पेड़-पौधों की साफ-सफाई, व्हाइटवॉश, पेड़ों पर पेंटिंग आदि कार्य करवाए जाएंगे। गड्ढों की मरम्मत कर उनकी गुणवत्ता का निरीक्षण संबंधित अधीक्षण अभियंता और अतिरिक्त मुख्य अभियंता द्वारा किया जाएगा।

जेडीए में फैले भ्रष्टाचार के नेटवर्क को तोड़ने की तैयारी में एसीबी

जयपुर (हिंस)। जेडीए में भ्रष्टाचार का नेटवर्क गहरे जड़े जमा चुका है। जोन-9 में कार्रवाई कर सात अधिकारियों को पकड़ने के बाद अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जेडीए में फैले भ्रष्टाचार के नेटवर्क पर कड़ा प्रहार करने की तैयारी में जुट गया है। रिश्वतखोरी का यह नेटवर्क ऊपरी स्तर के अधिकारियों तक फैला हुआ है। वहीं सरकार को भी जेडीए में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए ठोस नीति बनानी होगी। जिसकी यहां पर हमेशा से ही कमी देखने को मिली है। वहीं एसीबी ने तहसीलदार लक्ष्मीकांत, जेईएन खेमराज, पटवारी श्रीराम, गिरदावर रविकांत और दलाल महेश मीणा को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। दोनों महिलाओं को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। जेडीए ऑफिस के घूसखोर तहसीलदार, जेईएन, पटवारी समेत छह अधिकारियों और एक दलाल के जब्त मोबाइल की एसीबी फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) से जांच करवाएगी। एसीबी ने कुल आठ फोन सीज किए गए हैं। ताकि भ्रष्टाचार में शामिल अन्य अधिकारियों और दलालों तक पहुंचा जा सके। इस मामले में एसीबी ने फाइलें, सेक्टर इंचार्ज का लैपटॉप और डाक पैड भी कब्जे में लिए थे। एसीबी खाली जमीनों के फर्जी पट्टे जारी करने के मामले में जेडीए अधिकारियों की लिप्तता की भी जांच कर रही है। फर्जी पट्टे बनाने से लेकर रिकॉर्ड में चढ़ाने का काम धड़ल्ले से चल रहा है। इसके बाद पट्टा धारक जेडीए और कोर्ट के चक्कर काटता रहता है। इन अधिकारियों और जोन की जानकारी एसीबी ने निकाल ली है। एसीबी इस तरह के जमीन के पट्टों को जारी करने वाले जिम्मेदारों से पूछताछ करेगी।जेडीए से संबंधित तमाम शिकायतें लेकर लोग ऑफिस में आ रहे हैं।

किसान आंदोलन पर कंगना रनौत के बयान का चौधरी टेकराम कंडेला ने किया विरोध

जींद (हिंस)। भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला ने भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत ने किसान आंदोलन पर जो बयान दिया है, उसका कड़ा विरोध किया है। कंडेला ने कहा कि यह उनका निजी बयान है और भाजपा पार्टी का इसमें कोई लेना-देना नही है। कंडेला मंगलवार को जींद व उचाना हलका के गांव थुआ, छातर, शाहपुर, अलेवा, नगूरां, जीवनपुर, दालमवाला, झांझखुर्द, झांझ कलां, खटकड़, बरसोला, जाजवान, दरियावाला, जुलानी सहित अन्य गांवों का दौरा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जींद की पांचों सीटों पर जीत हासिल करेगी व तीसरी बार हरियाणा में भारी बहुमत से सरकार बनेगी और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दूसरी बार

हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। कंडेला ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किसानों की सभी फसलों पर एमएसपी देकर एक ऐतिहासिक कार्य किया है। कंडेला ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस एक परिवारवाद की पार्टी है और इसमें कांग्रेस पार्टी ने भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद को बढ़ावा दिया है व देश को कमजोर करने का काम किया है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश भी मजबूत हुआ है और संविधान भी मजबूत हुआ है और देश का विकास भी हुआ है। इस मौके पर हजूरा सिंह, अभेराम कंडेला, अजमेर दालमवाला, नीरज, धर्मपाल, सुभाष, प्रदीप, रामकिश सहित अनेक कार्यकर्ताा साथ रहे।

अब ऑनलाइन ई-पास बनाकर देख सकेंगे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर से लगती भारत-पाकिस्तान सीमा को देखना अब ज्यादा आसान हो गया है। सीमा सुरक्षा बल ने वेबसाइट बनाकर अब बॉर्डर देखने के लिए ऑनलाइन ई-पास बनाने की सुविधा जारी कर दी है। अब भारतीयों को सरहद जाना आसान हो सकेगा और वे जैसलमेर में पाकिस्तान बॉर्डर को देख सकेंगे। ऑनलाइन ई-पास की जानकारी देते हुए बीएसएफ डीआईजी नॉर्थ सेक्टर योगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि अगर आप जैसलमेर घूमने का प्लान कर रहे हैं तो भारत-पाकिस्तान बॉर्डर देखने के लिए खबर अच्छी है। अब बॉर्डर देखने के लिए आवश्यक पास लेने के लिए तनोट माता मंदिर में लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं हैं। तनोट माता ट्रस्ट ने एक वेबसाइट जारी कर ई-पास बनाने की सुविधा शुरू की हैं। दरअसल, जैसलमेर में इन दिनों पर्यटन सीजन का आगाज हो चुका है और आने वाले दिनों में सैलानियों

का बूम जैसलमेर में उमड़ेगा। फिलहाल सामान्य रूप से पर्यटकों की आवक शुरू हो गई है। ऐसे में यहां आने वाला हर सैलानी बॉर्डर देखने की इच्छा रखता है। ऐसे में अब भारत-पाक बॉर्डर देखने वाले सैलानियों को तनोट में सीमा सुरक्षा बल की चौकी पर लाइन लगाकर पास बनवाने से छुट्टी मिल जाएगी। इसके लिए वेबसाइटर पर जाकर अब सैलानी ऑनलाइन ही आवेदन कर ई-पास जारी करवा सकते हैं। गौरतलब है कि जैसलमेर के तनोट माता मंदिर से करीब 20 किलोमीटर दूर बबलियान वाला चौकी को देखने हर साल हजारों की संख्या में देसी सैलानी जैसलमेर आते हैं। ऐसे में बॉर्डर टूरिज्म के तहत भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तनोट-बबलियान वाला पर्यटन परिपथ (टूरिज्म प्रोजेक्ट) को बढ़ावा देने के लिए श्री तनोट माता ट्रस्ट ने ऑनलाइन ई-पास की सुविधा शुरू की हैं। इसमें सैलानियों को इस वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। जिसमें पर्यटक को अपनी पूरी जानकारी अपने आईडी कार्ड के साथ भरकर सबमिट करनी होगी। इसके बाद ही ई-पास जारी होगा। फिलहाल जैसलमेर भ्रमण पर आए सैलानियों को बॉर्डर घूमने के लिए तनोट जाने के बाद ही बीएसएफ के काउंटर पर जाकर पास बनवाना पड़ता है। जिसमें तनोट जाने के बाद वहां भीड़ होने पर सैलानियों को लाइन में लगना पड़ता है। ऐसे में सुविधा देने के लिए अब ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई हैं। इससे सैलानियों को अब तनोट पहुंचने के बाद लाइन में नहीं लगना होगा। बीएसएफ डीआईजी योगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सरहद पर तनोट क्षेत्र में तनोट और बबलियान वाला पोस्ट आकर्षण का केंद्र है, वहीं बॉर्डर पर जाने के लिए लंबी-लंबी कतारों से अब राहत मिलेगी। सीमा पर बीएसएफ की प्राथमिकता है कि सरहद पर आने वाले पर्यटकों का स्वागत से लेकर सीमा दर्शन करवाने का उद्देश्य रहता है ताकि वह अच्छी यादें लेकर जाए। विदेशियों को वहां जाने की इजाजत नहीं है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से जापानी प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

जयपुर (हिंस)। आगामी 9-11 दिसंबर, 2024 तक आयोजित होने वाले *राइजिंग राजस्थान* इन्वेस्टमेंट समिट के संदर्भ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से जापान से आए विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में वाफुकु हॉस्पिटल एवं होम केयर ग्रुप, टोक्यो के चेयरमेन डॉ. नोबुहिको इशिदा, फुमिताका इशिवाता, शिंजी फुनामोरी, केनिची तकाशिमा, कैप्टन रामजी शर्मा और नील कंडिरा शामिल थे। बैठक के दौरान राजस्थान व जापान के बीच संबंधों को मजबूत बनाने तथा विभिन्न प्रकार के निवेशों व मानव संसाधनों के बेहतर उपयोग जैसे अनेक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

योगी कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोक भवन में कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में जल शक्ति विभाग, पर्यटन विभाग समेत कई अन्य विभागों के महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने फसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जलजीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रो में पाइप पेयजल आपूर्ति योजना संचालन हेतु अनुरक्षण नीति 2024 को मंजूरी मिल गयी है। जिन ग्राम में कार्य पूरा हो चुका है, उसके रख रखाव मेंटिनेंस हेतु अनुरक्षण नीति लाई जा रही है। संस्कृति व पर्यटन विभाग से आए प्रस्ताव पर भी कैबिनेट की मुहर लगी है। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विभाग के पर्यटक आवास गृहों हेतु निजी प्रबंधन पर चल रहे आवास गृहों को 15+15 कुल 30 वर्ष के लीज पर दिए जाने के प्रस्ताव की स्वीकृति प्रदान की गई। घाटे में चल रहे या बंद हो चुके आवास गृहों हेतु प्रस्ताव हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग से आए प्रस्ताव के तहत संस्कृत छात्रों के छात्रवृत्ति में बढ़ोत्तरी के संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर नीति में संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। डाटा सेंटर्स में ग्रिड द्वारा विद्युत नेटवर्क प्रदान करने के प्रस्ताव (संशोधन)को स्वीकृति प्रदान की गई।

कार्य पहले टेंडर बाद में, मामला उजागर होने पर जिम्मेदारों ने टेंडर किया निरस्त

जौनपुर (हिंस)। योगी सरकार की भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की कोशिश नाकाफी साबित हो रही है। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी ही सरकारी व्यवस्था को लचर बनाने में लगे हुए हैं। जफराबाद नगर पंचायत में जिम्मेदारों द्वारा मनमाने तरीके से टेंडर निकालने तथा कार्य करने का मामला उजागर हुआ तो जिम्मेदार हरकत में आ गये और आनन-फानन में टेंडर को निरस्त कर दिया गया। नगर पंचायत में 22 अगस्त को मोहल्ला नैपुरा में 147 मीटर नाली तथा सड़क निर्माण कार्य के लिए टेंडर की तारीख रखी गई। पांच लाख 22 हजार की लागत से उक्त कार्य को कराए जाने का टेंडर किया गया। लेकिन समय अवधि पूरा होने के बाद भी नगर पंचायत में टेंडर अभी तक नहीं खुला। जबकि नगर पंचायत में टेंडर निकालने से पहले ठेकेदार उक्त कार्य को लगभग पूरा कर लिया था। मनमाने तरीके से टेंडर तथा कार्य करने की खबर को पत्रकारों द्वारा पूछने पर अपर जिलाधिकारी गणेश प्रसाद सिंह ने नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण के लिए पत्र जारी किया। मंगलवार को इस मामले में जानकारी लेने पर गणेश प्रसाद सिंह ने बताया कि अधिशासी अधिकारी जफराबाद विजय कुमार सिंह ने स्पष्टीकरण में बताया है कि उक्त कार्य की जानकारी हमारे संज्ञान में नहीं था। इसलिए भूल वश यह टेंडर निकल गया। टेंडर को निरस्त कर दिया गया। मनमाने तरीके से काम करने तथा ठेकेदार का पैसा लगने के भुगतान के संबंध में पूछे जाने पर अपर जिलाधिकारीने कहा कि इसके जिम्मेदार नगर पंचायत अध्यक्ष हैं, भुगतान के संबंध में वही जाने।

जन सुराज विचार मंच की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नवादा (हिंस)। जिले में नारदीगंज के पेंशनर समाज भवन में जन सुराज विचार मंच की एक बैठक मंगलवार को आयोजित की गई।बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवियों, प्रबुद्ध जनों ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के विचार धाराओं से प्रभावित होकर भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे नारदीगंज प्रखंड संयोजक रजनीश कांत झा ने बताया कि प्रशांत किशोर बिहार समेत पूरे देश में सबका मान, सबका विकास की अवधारणा को लेकर आगे बढ़ रहें हैं। आप जन सुराज से जुड़कर बिहार के बेहतर विकास के लिए बेहतर विकल्प बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर लगातार विभिन्न जिलों का दौरा कर अपनी बातों को रख रहे हैं। इन्होंने कहा कि हम उनसे आग्रह करेंगे कि नारदीगंज

में भी वे आए और अपनी बातों को रखें। इसे लेकर हमलोग उनका पुरजोर स्वागत भी करेंगे। बैठक में मौजूद वक्ताओं ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की विचारधारा को मजबूत करने और बिहार से जाति और धर्म के नाम पर विकास बाधित करने को लेकर संवाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मौके पर पेंशनर समाज के प्रखंड सचिव श्रीकांत सिंह ने कहा कि देश की राजनीति जातियों व धर्मो में सिमट कर रह गई है। यही कारण है कि देश की व्यवस्था कमजोर होते जा रही है। जब तक हम सभी व्यक्ति जात-पात से ऊपर उठकर राजनीति में अपना योगदान नहीं देंगे, तब तक व्यवस्था में सुधार नहीं हो सकता है।

विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कम होने से हवाई किराए में आई तेजी

मुंबई।
पिछले कुछ सालों में विमानन क्षेत्र में हवाई यात्रा की मांग में तो बढ़ोतरी देखी जा रही है, लेकिन प्रतिस्पर्धा कम होने से हवाई किराया भी तेजी के साथ बढ़ा है। 2019 में 55.2 फीसदी हवाई मार्ग ऐसे थे, जहां सिर्फ एक ही कंपनी की उड़ानें संचालित हो रही थीं लेकिन अप्रैल 2024 तक यह आंकड़ा बढ़कर 69.2 फीसदी हो गया। यानी कि इस साल अप्रैल तक केवल 30.8 फीसदी मार्गों पर ही दो या दो से अधिक विमानन कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा थी।

विमानन कंपनियों ने प्रतिस्पर्धा घटने के साथ किराया भी बढ़ाया है खासकर कोविड-19 महामारी के बाद। दिल्ली-मुंबई मार्ग पर जहां 2019 से 2023 के बीच औसत हवाई किराया 20.5 फीसदी गिरा था, वहीं पिछले साल इसमें 34.6 फीसदी की वृद्धि हुई। इसी तरह दिल्ली-बेंगलूरु मार्ग के इकॉनमी क्लास का औसत किराया एक साल में 53.1 फीसदी बढ़ गया। इस बदलाव का एक कारण 2019 में जेट एयरवेज और 2023 में गोफर्स्ट का दिवालिया होना है।

विमानों की संख्या कम होने से इंडिगो और एयरइंडिया का हवाई बाजार पर नियंत्रण बढ़ा

इसके अलावा स्पाइसजेट भी अपने विमानों की संख्या कम कर रही है। जिसकी वजह से इंडिगो और एयरइंडिया समूह का हवाई बाजार पर नियंत्रण बढ़ गया है, जो जुलाई 2024 तक घरेलू हवाई यात्रा बाजार का 90 फीसदी हिस्सा नियंत्रित कर रहे थे। कई मार्गों पर कम प्रतिस्पर्धा होने के कारण विमानन कंपनियां अब किरायों को बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं।

हवाई कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ी

जानकारी के अनुसार 2019 में इंडिगो के लिए 491 घरेलू मार्गों में से 33.4 फीसदी पर कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी लेकिन अप्रैल 2024 में 838 घरेलू मार्गों में से 61.2 फीसदी पर कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी। विमानन विशेषज्ञ कहते हैं कि भारत में हवाई कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही एकाधिकार वाले मार्ग भी बढ़ गए हैं। इंडिगो के एक अधिकारी का मानना है कि भारत में दो से अधिक विमानन कंपनियां होनी चाहिए ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय मूल के केवन पारेख होंगे एप्पल के नए सीएफओ

नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख टेक कंपनी एप्पल ने भारतीय मूल के इंजीनियर केवन पारेख को अपना नया चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) नियुक्त किया है। वह लुका मैस्ट्री की जगह लेंगे जिन्हें कंपनी ने कॉर्पोरेट सर्विस टीम में भेज दिया है। मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी का पिछले एक सप्ताह में दूसरा बड़ा फेरबदल है। केवन पारेख अभी ऐपल में फाइनेंशियल प्लानिंग एंड एनालिसिस के वाइस-प्रेजिडेंट हैं। वह 1 जनवरी, 2025 से सीएफओ का पदभार संभालेंगे। पारेख पिछले 11 वर्षों से एप्पल से जुड़े हैं और उन्होंने कंपनी की फाइनेंशियल स्ट्रैटजी और ऑपरेशंस में अहम भूमिका निभाई है। 52 साल के केवन पारेख की इस सफलता का राज उनकी मजबूत तकनीकी और बिजनेस एजुकेशन है। उन्होंने मिशिगन विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में साइंस ग्रेजुएट की डिग्री प्राप्त करने के बाद शिकागो विश्वविद्यालय से एमबीए किया। एप्पल में शामिल होने से पहले पारेख ने थॉमसन रॉयटर्स और जनरल मोटर्स में काम करते थे। उन्होंने चार साल तक रॉयटर्स किया। इसके बाद वह जनरल मोटर्स के न्यूयॉर्क ऑफिस में बिजनस डेवलपमेंट के डायरेक्टर रहे। साथ ही उन्होंने ज्यूरिख में यूरोप के रीजनल ट्रेजरर के रूप में भी काम किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक केवन पारेख को पिछले कई महीनों से सीएफओ की भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा था।

कोठारी इंडस्ट्रियल ने बनाई विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विस्तार की योजना

चेन्नई। कोठारी इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी के साथ अपना करोबार बढ़ाने योजना बनाई है। नए प्रवर्तक के साथ तैयार विविधीकृत समूह के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी आने वाले वर्षों में फुटवियर, उर्वरक, खाद्य, ड्रोन प्रौद्योगिकी, सिंथेटिक वस्त्र, सौर ऊर्जा पर ज्यादा ध्यान देगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन पहलों से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में शेयर बाजार से हटने के बाद कंपनी हाल ही में फिर से सूचीबद्ध हुई है। कोठारी का पुराना गौरव निश्चित रूप से वापस आएगा। कंपनी कतर में उर्वरक कारखाना लगाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि कतर में उर्वरक कारखाना लगाने की कुल परियोजना लागत करीब 7,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उर्वरक उद्योग के अलावा उनकी कंपनी तमिलनाडु में गैर-चमड़े के जूते बनाने के लिए दो कारखाने लगाएंगे, जिसके लिए बातचीत चल रही है।

सरकार और उसकी नीतियों से उद्योग को मिलता है उच्च वृद्धि का विश्वास : भार्गव

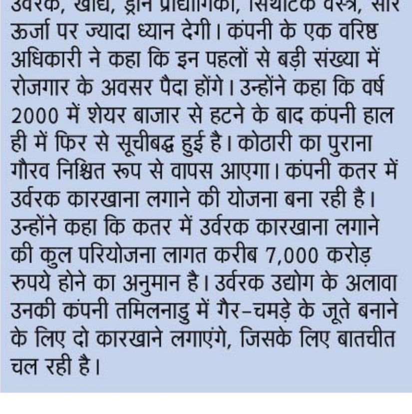

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने मंगलवार को कहा कि सरकार और नीतियों की निरंतरता से उद्योग को लगातार उच्च वृद्धि का विश्वास मिलता है। भार्गव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों से कहा कि भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं इसे एक सतत और अधिक समतापूर्ण समाज की ओर ले जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योग और सरकार 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक-दूसरे के साथ काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मैंने लोगों को यह तर्क देते हुए सुना है कि तेज आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच वास्तव में मेल नहीं हैं। हमारे देश ने इस सोच को साबित कर दिया है। भार्गव ने कहा कि हम अब दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं, और हमारे प्रधानमंत्री सबसे सम्मानित वैश्विक नेताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर दुनिया ने देखा है कि हम लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं। भार्गव ने हालांकि स्वीकार किया कि समान और तीव्र आर्थिक वृद्धि तथा विकास के लिए नीतियों और रणनीतियों को स्थिर होने में कुछ समय लगा है।

फ्लैट कारोबार के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में दिखी मामूली बढ़त

निवेशकों ने कमाए 82 हजार करोड़ सपाट स्तर पर बंद हुआ बाजार

नई दिल्ली।
सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार लुढ़क कर लाल निशान पर पहुंच गया लेकिन खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर शेयर बाजार की चाल तेज हुई। निफ्टी मंगलवार को अपने ऑल टाइम हाई लेवल के काफी करीब पहुंचने के बाद गिरावट का शिकार हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ बंद हुए।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार के दौरान टेलीकॉम, आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह केमिकल, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर एनर्जी, एफएमसीजी, मेटल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को छोटे और मझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 463.11 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 82 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,051 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,151 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,808 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 92 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,367 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,292 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,075 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 117.12 अंक की तेजी के साथ 81,815.23 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 96.60 अंक की कमजोरी के साथ 81,600.51 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 13.65 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,711.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी में मंगलवार को 14.20 अंक की मामूली मजबूती के साथ 25,024.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक भी 36.95 अंक की गिरावट के साथ दिन के सबसे निचले स्तर 24,973.65 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी 62.50 अंक की तेजी के साथ उछल कर ऑल टाइम हाई लेवल के काफी करीब 25,073.10 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में दोबारा गिरावट आ गई। पूरे दिन की खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ने 7.15 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 25,017.75 अंक के स्तर पर मंगलवार को कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.38 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.13 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 2.07 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.95 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 1.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी 2.17 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.02 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.92 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 1.39 प्रतिशत और ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स के सूची में शामिल हुए।

दूरसंचार कंपनियों की तरह नियमों का पालन करें सभी संचार सेवा प्रदाता : सीओएआई

मुंबई।
उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने कहा कि देश की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस संबंध में ओटीटी-आधारित संचार सेवाओं सहित सभी संचार सेवा प्रदाताओं को देश के अपेक्षित निर्देशों का पालन करना चाहिए, जैसा कि दूरसंचार सेवा प्रदाता करते हैं। उम्मीद है कि व्हाट्सएप, गूगल मीट और टेलीग्राम जैसे इंटरनेट कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप नियमों का बाकी सभी सेवा प्रदाताओं की ही तरह पालन करेंगे।

सीओएआई ने कहा कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) संचार ऐप को दूरसंचार अधिनियम, 2023 से बाहर करने की मांग करना भ्रामक है क्योंकि विभिन्न गैर-क्षेत्रीय नियमों के दूरसंचार कंपनियों पर भी लागू होने से वे अन्य नियमों के दायरे में आते हैं। सीओएआई के सदस्यों में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शामिल हैं। सीओएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों ने वैध इंटरसेप्शन (कॉल को सुनने की कानूनी मंजूरी) और निगरानी के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना में भारी निवेश किया है। इसके बावजूद अनियमित अनुप्रयोग-आधारित संचार सेवाएं इस तंत्र को पूरी तरह से दरकिनार कर देती हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। मामला दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत स्पष्ट रूप से कवर की गई संचार सेवाओं की नियामकीय निगरानी से संबंधित है। यह उजागर करना महत्वपूर्ण है कि टीएसपी, जो दूरसंचार अधिनियम द्वारा शासित हैं, संसद द्वारा निर्धारित उपरोक्त सभी कानूनों द्वारा विनियमित हैं। दूरसंचार कंपनियां मांग कर रही हैं कि सरकार को कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप पर समान नियम लागू करके समान हालात पैदा करने चाहिए क्योंकि यह उन पर लागू है।

सरकार मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगा सकती है प्रतिबंध

नई दिल्ली। मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, भारत सरकार क्रिमिनल एक्टिविटीज को लेकर टेलीग्राम की जांच कर रही है। इनमें जबरन वसूली और जुआ जैसे मामले शामिल हैं। एक सरकारी अधिकारी के मुताबिक जांच के नतीजों में अगर इन मामलों की पुष्टि होती है तो सरकार इस मैसेजिंग ऐप पर रोक लगा सकती है।

वेदांता कर्ज घटाने और ग्रोथ बढ़ाने बना रहा 30,000 करोड़ की विशेष योजना

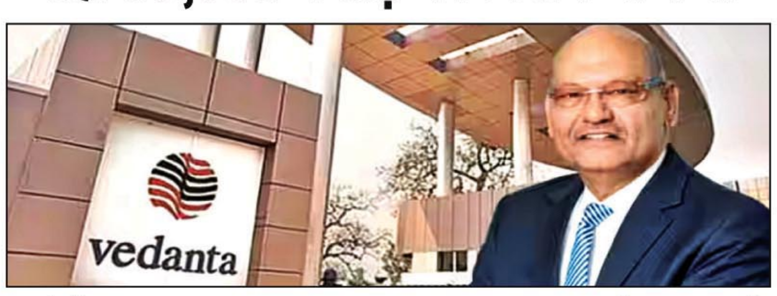

मुंबई।
वेदांता लिमिटेड ने अपना कर्ज घटाने और ग्रोथ को बढ़ाने के लिए पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी), ओएफएस और लाभांश के जरिए करीब 30,000 करोड़ रुपए का एक कोष तैयार कर रहा है। एक विश्लेषक ने कहा कि वेदांता इस धनराशि का उपयोग अपने बही-खाते को तेजी से सुधारने, पूंजी संरचना में सुधार करने और अपनी परिवर्तनकारी परियोजनाओं के विकास के लिए कर सकती है। इससे उसके निकट-अवधि के 10 अरब डॉलर के एबिडेटा लक्ष्य को पाने का रास्ता तैयार होगा और विस्तार अवसरों का लाभ उठाया जा सकेगा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वेदांता का लाभ सालाना आधार पर 54 प्रतिशत बढ़ा जबकि तिमाही आधार पर यह दोगुने से अधिक 5,095 करोड़ रुपए हो गया। वेदांता ने लांजीगढ़ में अब तक का सबसे अधिक एल्युमिना उत्पादन दर्ज किया और जिंक इंडिया इकाई में धातु उत्पाद का खनन किया। इसने संरचनात्मक परिवर्तनों और अन्य पहल के कारण उत्पादन की कुल लागत को 20 प्रतिशत कम कर दिया। जून,2024 तक खनन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी का कर्ज 6,130 करोड़ रुपए था। फरवरी और जून के बीच गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के निजी नियोजन और प्रवर्तक हिस्सेदारी बिक्री से प्राप्त आय भी निकट अवधि में समूह-स्तर पर कर्ज में कमी लाने में योगदान देगी।

सोने में सपाट कारोबार, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना बिना किसी बदलाव के कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी के भाव में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में मंगलवार को भी 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये से लेकर 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67,090 रुपये से लेकर 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली गिरावट आई है। कीमत में आई इस गिरावट की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 87,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

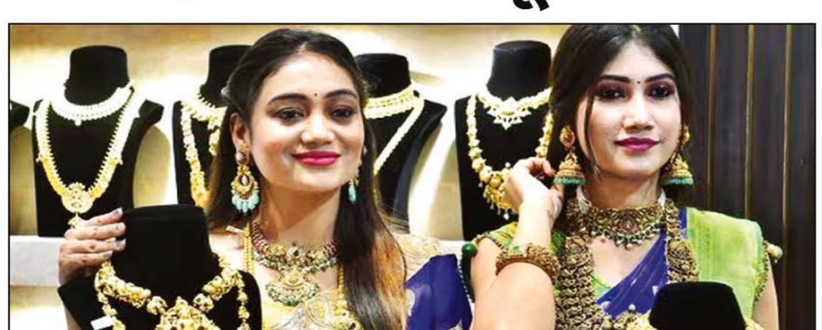

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना मंगलवार को 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना मंगलवार को 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से मंगलवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में मंगलवार को गिरावट रही। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में आमतौर पर दबाव की स्थिति बनी रही।

अमेरिका में पिछले सत्र के दौरान डाउ जॉन्स रिकॉर्ड हाई पर बंद होने में सफल रहा था। ये सूचकांक 65 अंक की मजबूती के साथ 41,240 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,616.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 152.03 अंक यानी 0.85 प्रतिशत टूट कर 17,225.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,200.87 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार के सूचकांक भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। सीएसी इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,590.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,617.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं एफटीएसई इंडेक्स में पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ।

एशियाई बाजारों में मंगलवार को आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,124.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 1,364.96 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,991.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.24 प्रतिशत लुढ़क कर 3,387.81 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 144 अंक यानी 0.65 अंक प्रतिशत टूट कर 22,096.12 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,745.73 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.39 प्रतिशत फिसल कर 2,687.46 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,579.08 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत लुढ़क कर 2,845.37 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी को पवन-सौर मिश्रित परियोजना मिली

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उसकी शाखा जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (एमएसईडीसीएल) से पवन-सौर मिश्रित बिजली परियोजना के लिए निर्णय पत्र (एलओए) मिला है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि 200 मेगावाट की पवन-सौर मिश्रित बिजली परियोजना जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली में दी गई है। बयान में कहा गया कि इस एलओए के चलते कंपनी की कुल लॉक-इन उत्पादन क्षमता बढ़कर 17.2 गीगावॉट हो गई है।

महिला टी20 विश्व कप 2024 : हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को यूएई में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 खिलाड़ियों की भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। हरमनप्रीत कौर को कप्तान बनाया गया है, जबकि स्मृति मंधाना को उप कप्तान चुना गया है।

विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को भी फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया।

टूर्नामेंट 3 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह में खेला जाएगा। 23 मैचों के इस आयोजन में दुनिया की शीर्ष 10 महिला टीमें शामिल होंगी, जिन्हें पांच-पांच के दो समूहों में विभाजित किया गया है।

ग्रुप ए में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज और स्कॉटलैंड शामिल हैं। प्रत्येक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

भारत अपने अभियान की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा। वीमेन इन ब्लू को दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अभ्यास मैच भी खेलने हैं।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर)*, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी , रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल*, संजना सजीवन।

ट्रैवलिंग रिजर्व : उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, साइमा ठाकोर।

गैर-यात्रा आरक्षित : राघवी बिस्ट, प्रिया मिश्रा।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपन : पहले दौर में हारकर बाहर हुए सुमित नागल

नई दिल्ली। पुरुष एकल वर्ग में भारत के सर्वोच्च वरीयता प्राप्त पुरुष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल मंगलवार को नीदरलैंड के टैलोन ग्रीक्सपूर से हारकर यूएस ओपन से बाहर हो गए हैं। नागल को अपने से कहीं बेहतर रैंकिंग वाले एथलीट के खिलाफ सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 7-6 से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट में डच खिलाड़ी ने पूरी तरह दबदबा बनाया और नागल की सर्विस कई बार तोड़ी और 6-1 से जीत दर्ज की। दुनिया में 40वें नंबर के ग्रिक्सपूर किसी भी तरह से एक्सीलेटर से अपना पैर हटाने के मूड में नहीं थे और उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को बैकफुट पर ही रखा। दूसरे सेट में नागल ने बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन ग्रिक्सपूर को रोकने के लिए यह काफी नहीं था और नागल दूसरा सेट भी 6-3 से हार गए। जल्दी बाहर होने की आशंका के चलते नागल ने तीसरे सेट में अपना स्तर बढ़ाया और सात अंकों के टाई-ब्रेकर में दो सेट प्वाइंट हासिल किया और मुकाबले में बने रहे। हालांकि, डच खिलाड़ी ने अंतर कम करने के लिए एक बेहतरीन ऐस लगाया और फिर जीत दर्ज की। 2019 और 2020 में अपने पिछले दो मुकाबलों के बाद यह नागल का यूएस ओपन के मुख्य ड्रॉ में तीसरा प्रवेश था। 27 वर्षीय खिलाड़ी के लिए अब तक का सीजन बहुत खराब रहा है। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए और फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियनशिप में पहले दौर से ही बाहर हो गए हैं। नागल को पेरिस ओलंपिक में भी निराशा का सामना करना पड़ा था, जब उन्हें फ्रांसीसी खिलाड़ी कोरेंटिन मौटेट के हाथों हार के बाद पहले ही दौर से बाहर होना पड़ा था। इस बीच, अमेरिकी ओपन में भारत की उम्मीदें अभी भी जीवित हैं क्योंकि रोहन बोपन्ना, युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी को अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ पुरुष युगल वर्ग में अपने अभियान की शुरुआत करनी है।

बयान : राजनीति में भाग्य आजमाएंगी पदक विजेता मनु भाकर

चरखी दादरी। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली मनु भाकर अपने

ननिहाल चरखी दादरी पहुंची थीं। यहां उन्होंने अपनी भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने राजनीति में एंट्री पर भी बात की। भाकर ने बताया कि वह कभी राजनीति में नहीं आएंगी। उनका लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। भाकर ने पेरिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक हासिल करते हुए इतिहास रच दिया था। वह ओलंपिक खेलों के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली आजादी के बाद से पहली भारतीय एथलीट बनीं। मनु को टोक्यो 2020 ओलंपिक में निराशा का सामना करना पड़ा था, जहां वह अपनी तीनों स्पर्धाओं में फाइनल में पहुंचने में विफल रही थीं। मनु ने अपने ननिहाल के सम्मान को ताउम्र याद रखने की बात कही। उन्होंने कहा- मैं राजनीति में नहीं आऊंगी। बल्कि अपने खेल पर ध्यान देते हुए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना ही मेरा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी हो उसकी सोच पर निर्भर रहता है कि वे राजनीति करें या फिर युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करें। सम्मान समारोह में पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान, अंतरराष्ट्रीय पहलवान और भाजपा नेता बबीता फोगाट सहित कई राजनेता मौजूद थे।

इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉल कोच स्वेन-गोरान एरिक्सन का 76 वर्ष की आयु में निधन

स्टॉकहोम। स्वीडिश फुटबॉल मैनेजर स्वेन-गोरान एरिक्सन, जिन्होंने 2001 से 2006 तक इंग्लैंड को

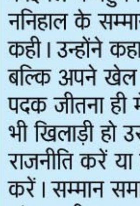

कोचिंग दी थी, का सोमवार को 76 वर्ष की आयु में अग्नाशय के कैंसर से निधन हो गया। जनवरी में, एरिक्सन ने खुलासा किया कि वह घातक कैंसर से पीड़ित हैं और उनके पास जीने के लिए अधिक से अधिक एक साल है। एरिक्सन ने 2001 में इतिहास रचा था जब उन्होंने केविन कीगन की जगह ली और इंग्लैंड टीम की कमान संभालने वाले पहले विदेशी कोच बने और उन्होंने 2002 और 2006 में दो विश्व कप फाइनल चरणों में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें सितंबर 2001 में जर्मनी के खिलाफ़ 5-1 की ऐतिहासिक जीत शामिल थी, जिससे वह बहुत लोकप्रिय व्यक्ति बन गए। फुटबॉल जगत ने उनके निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कई प्रसिद्ध फुटबॉल क्लबों, खिलाड़ियों और पत्रकारों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शोक संवेदनाएँ पोस्ट की हैं। यूरोपीय फुटबॉल की शासी संस्था यूईएफए ने एक्स पर कहा, यूरोपीय फुटबॉल समुदाय की ओर से, यूईएफए में हर कोई स्वेन-गोरान एरिक्सन के निधन के बारे में जानकर बहुत दुखी है। खेल में एक प्रिय व्यक्ति, स्वेन 1982 में आईएफके गोटेबोर्ग के कोच के रूप में यूईएफए कप विजेता थे, इससे पहले उन्होंने 1999 में लाज़ियो को यूईएफए कप का खिताब दिलाया था। शांति से विश्राम करो, स्वेन।

आईसीसी ने जारी किया महिला टी20 विश्व कप का संशोधित कार्यक्रम

दुबई में खेला जाएगा भारत-पाक मैच और फाइनल मुकाबला

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार देर रात आगामी महिला टी-20 विश्व कप के लिए संशोधित कार्यक्रम घोषित कर दिए हैं। दुबई 6 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले और 20 अक्टूबर को 18 दिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी भी करेगा। बांग्लादेश के लिए चल रहे राजनीतिक संकट के कारण टूर्नामेंट की मेजबानी करना असंभव हो गया था, जिसके बाद टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था।

अन्य मेजबान शहर शारजाह 13 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महत्वपूर्ण मुकाबले की मेजबानी करेगा, यह एकमात्र लीग मैच है जिसे हरमनप्रीत कौर की टीम दुबई से बाहर खेलेगी। शारजाह 18 अक्टूबर को दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी भी करेगा। अगर भारत क्वालीफाई करता है, तो वे 17 अक्टूबर को दुबई में पहला सेमीफाइनल खेलेंगे।

समूह पूर्वानुसार

समूह पहले की तरह ही बने हुए हैं, जिसमें छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका ग्रुप ए में हैं। दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड को ग्रुप बी में रखा गया है।

हर ग्रुप में 4 टीमें खेलेंगी

प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें मैच खेलेगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा कि सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए एक रिजर्व दिन तय किया गया है। टी-20 विश्व कप टूर्नामेंट से पहले 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 10 अभ्यास मैच आयोजित किए जाएंगे।

संशोधित कार्यक्रम

- 3 अक्टूबर गुरुवार बांग्लादेश बनाम स्कॉटलैंड शारजाह
- 3 अक्टूबर गुरुवार पाकिस्तान बनाम श्रीलंका शारजाह
- 4 अक्टूबर शुक्रवार दक्षिण अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज दुबई
- 4 अक्टूबर शुक्रवार भारत बनाम न्यूजीलैंड दुबई
- 5 अक्टूबर शनिवार बांग्लादेश बनाम इंग्लैंड शारजाह
- 5 अक्टूबर शनिवार ऑस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका शारजाह
- 6 अक्टूबर रविवार भारत बनाम पाकिस्तान दुबई
- 6 अक्टूबर रविवार वेस्टइंडीज बनाम स्कॉटलैंड दुबई
- 7 अक्टूबर सोमवार इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका शारजाह
- 8 अक्टूबर मंगलवार ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड शारजाह
- 9 अक्टूबर बुधवार दक्षिण अफ्रीका बनाम स्कॉटलैंड दुबई
- 9 अक्टूबर बुधवार भारत बनाम श्रीलंका दुबई
- 10 अक्टूबर गुरुवार बांग्लादेश बनाम वेस्टइंडीज शारजाह
- 11 अक्टूबर शुक्रवार ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान दुबई
- 12 अक्टूबर शनिवार न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका शारजाह
- 12 अक्टूबर शनिवार बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका दुबई
- 13 अक्टूबर रविवार इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड शारजाह
- 13 अक्टूबर रविवार भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया शारजाह
- 14 अक्टूबर सोमवार पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड दुबई
- 15 अक्टूबर मंगलवार इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज दुबई
- 17 अक्टूबर गुरुवार सेमीफाइनल 1 दुबई
- 18 अक्टूबर शुक्रवार सेमीफाइनल 2 शारजाह
- 20 अक्टूबर रविवार फाइनल दुबई

भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ प्री-ड्राफ्ट विदेशी अनुबंध पर किया हस्ताक्षर

नई दिल्ली। स्मृति मंधाना महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) प्री-ड्राफ्ट विदेशी अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाली पहली भारतीय बन गई हैं और आगामी सत्र के लिए मौजूदा चैंपियन एडिलेड स्ट्राइकर्स में शामिल होंगी।

स्ट्राइकर्स चौथी टीम होगी जिसका प्रतिनिधित्व मंधाना प्रतियोगिता के 10 साल के इतिहास में करेंगी। बाएं हाथ की यह खिलाड़ी इससे पहले ब्रिसबेन हीट (2016-17), होबार्ट हरिकेंस (2018-19) और सिडनी थंडर (2021) के लिए खेल चुकी हैं।

भारतीय उप-कप्तान ने कार्यभार प्रबंधन के कारण डब्ल्यूबीबीएल 2022 से बाहर होने का विकल्प चुना था और फिर 2023 संस्करण से पहले उद्घाटन खिलाड़ी के मसौदे से बाहर होकर भारत के घरेलू सत्र में भाग लेने का विकल्प चुना था।

एलिस पेरी के बाद दो राचेल हेहो-फ्लिंट पुरस्कार जीतने वाली केवल दूसरी खिलाड़ी, मंधाना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स के साथ फिर से जुड़ेंगी। इस जोड़ी ने अपने उद्घाटन वर्ष में पांच टीमों के टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहने के बाद आरसीबी को डब्ल्यूपीएल 2024 के खिताब तक पहुंचाया।

मंधाना ने एक बयान में कहा, मैं हमेशा ऑस्ट्रेलिया में खेलने के लिए उत्सुक रहती हूं और स्ट्राइकर्स जैसी सफलता के इतिहास वाली टीम में योगदान देने के अवसर को लेकर उत्साहित हूं। मैं ल्यूक के साथ काम करना जारी रखने के लिए रोमांचित हूं। हमारे पिछले अनुभव एक साथ बहुत फायदेमंद रहे हैं और मैं इसे और आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं।

डब्ल्यूपीएल के अलावा, मंधाना और विलियम्स ने पहले भी द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव में एक साथ काम किया है। विलियम्स ने कहा, स्मृति एक असाधारण प्रतिभा है और हम स्ट्राइकर्स में उसका स्वागत करते हुए रोमांचित हैं। उसका तकनीकी कौशल, अनुभव और रणनीतिक अंतर्दृष्टि हमारे लिए एक जबरदस्त संपत्ति है। मैं टीम और मैदान पर उनके समर्पण और ऊर्जा को अच्छी तरह से जानता हूँ। आगामी सत्र में सफलता के लिए उनकी विशेषज्ञता और नेतृत्व अमूल्य होगा।

स्ट्राइकर्स 27 अक्टूबर को डब्ल्यूबीबीएल 2024 के कर्टेन रेजर में ब्रिसबेन हीट की मेजबानी करेंगे। मंधाना के अलावा, भारत की हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा 1 सितंबर को होने वाले आगामी डब्ल्यूबीबीएल ड्राफ्ट के लिए पहले नामांकन में शामिल हैं।

अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम घोषित की

हशमतुल्लाह करेंगे कप्तानी, गुरबाज, राशिद और करीम को नहीं मिली जगह

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अगले माह न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस मैच में अफगान टीम की कप्तानी हशमतुल्लाह शाहिदी करेंगे। टीम में स्टार गेंदबाज राशिद खान के अलावा बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और करीम जनत को शामिल नहीं किया गया है।

यह टेस्ट 9 से 13 सितंबर तक भारत के नोएडा में खेला जाएगा। इसके लिए राशिद को शामिल नहीं करने से सभी हैरान हैं जबकि वह इस प्रारुप में अफगानिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। राशिद ने अब तक पांच टेस्ट मैचों में 22.35 की औसत से 34 विकेट लिए हैं जिसमें चार बार उन्होंने पांच विकेट लिए हैं। राशिद ने अफगानिस्तान के लिए अपना अंतिम टेस्ट मैच साल 2021 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अबुधाबी में खेला था जिसमें उन्होंने 11 विकेट लिए थे। वहीं इब्राहिम जदरान, रहमत शाह, गुलबदीन नईब और अजमतुल्लाह उमरजई को टीम में रखा गया है। एसीबी ने कहा कि ग्रेटर नोएडा में एक सप्ताह तक चलने वाले अभ्यास शिविर के बाद ही अंतिम 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जाएगी। टीम 28 अगस्त को भारत पहुंचेगी. एसीबी ने कहा, ''अभ्यास शिविर के लिए 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। वहीं अंतिम 15 सदस्यीय टीम का चयन उनके प्रदर्शन और फिटनेस को देखने के बाद किया जाएगा।'' एसीबी के अध्यक्ष मीरवाइज अशरफ ने कहा, ''मुझे घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके टीम में आये युवा खिलाड़ियों को देखकर खुशी हो रही है।''

अफगानिस्तान की टीम इस प्रकार है- हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जदरान, रियाज हसन, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, बहीर शाह महबूब, इकराम अलीखेल (विकेटकीपर), शाहिदुल्लाह कमाल, गुलबदीन नईब, अफसर जजई (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, जियाउर्रहमान अकबर, शम्सुर्रहमान, कैस अहमद, जहीर खान, निजात मसूद, फरीद अहमद मलिक, नवीद जदरान, खलील अहमद और यम अरब।

पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों ही टीमों पर धीमी ओवर रेट के लिए लगाया जुर्माना, अंक भी काटे

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के लिए दोनो ही टीमों पर जुर्माना लगाया है। इससे दोनो ही टीमों को अंकों का नुकसान हुआ है। ऐसे में इनके लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की राह और कठिन हो गयी है। मैच रेफरी रंजन मदुगले ने ये प्रतिबंध इसलिए लगाया है क्योंकि पाकिस्तान ने लक्ष्य से छह ओवर कम फेंके और इस प्रकार उसे छह डब्ल्यूटीसी अंक का नुकसान हुआ है। वहीं जीत हासिल करने वाली बांग्लादेश भी तय समय में निर्धारित ओवर पूरे नहीं कर पायी। इस प्रकार उसके तीन तीन डब्ल्यूटीसी अंक काटे गए हैं। ऐसे में आईसीसी के तीन अंक काटने की कार्रवाई के बाद अब बांग्लादेश की टीम सातवें स्थान पर खिसक गयी है। इस प्रकार वह अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका से पीछे हो गयी जबकि पाकिस्तान आठवें स्थान पर खिसक गया है। इसके अलावा पाकिस्तान पर मैच फीस का 30 फीसदी जुर्माना जबकि बांग्लादेश पर 15फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के नियमों के अनुसार खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाता है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार प्रत्येक ओवर कम होने पर एक टीम पर एक अंक का जुर्माना लगाया जाता है।

दोनों ही टीमों के कप्तानों शान मसूद और नजमुल हुसैन शांतो ने अपराधों के लिए दोषी होने की बात मान ली है। ऐसे में आगे सुनवाई की जरुरत नहीं रही है।

जय शाह आईसीसी में गये तो रोहन ले सकते हैं उनकी जगह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन बनने की संभावनाएं हैं। इसका कारण है कि आईसीसी के मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले का कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म हो जाएगा। वह तीसरे कार्यकाल को नहीं चाहते हैं। ऐसे में चेयरमैन पद के लिए जय शाह को भी एक दावेदार माना जा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि शाह के बाद किसे बोर्ड सचिव की जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं माना जा रहा है कि दिल्ली क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के रोहन जेटली को यह जिम्मेदारी मिल सकती है एक रिपोर्ट के अनुसार जय शाह को आसीसी के 16 सदस्यों में से 15 सदस्यों का समर्थन हासिल है, ऐसे में उनका अगला आईसीसी चेयरमैन बनना तय है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए बेयरस्टो, मोईन इंग्लैंड की टीम से बाहर

लंदन। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए जॉनी बेयरस्टो, मोइन अली और क्रिस जॉर्डन को अपनी व्हाइट-बॉल टीम से बाहर कर दिया है। ये तीनों हाल ही में टी20 विश्व कप में सेटअप का हिस्सा थे, जहां इंग्लैंड सेमीफाइनल में भारत से हार गया था।

इनके बाहर होने से टी20आई टीम में पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों जॉर्डन कॉक्स, जैकब बेथेल, डैन मूसली, जोश हल और जॉन टर्नर को जगह मिली है, इन सभी ने घरेलू सर्किट में विभिन्न स्तरों पर प्रभावित किया है।

इंग्लैंड के नियमित व्हाइट-बॉल कप्तान जोस बटलर और प्रीमियर पेसर जोफ्रा आर्चर भी एक्शन में वापस आएंगे। बटलर कॉल्फ की चोट से पूरी तरह से उबर चुके हैं, जिसके कारण वे द हंड्रेड के पूरे सत्र से बाहर रहे, जबकि आर्चर, जिनके कार्यभार पर सदर्न ब्रेव के लिए नज़र रखी गई थी, मार्च 2023 के बाद से अपना पहला वनडे खेलने के लिए तैयार हैं।

कॉक्स का चयन सबसे ज़्यादा पूर्वानुमानित था, क्योंकि विकेटकीपर बल्लेबाज़ की गतिशीलता शीर्ष क्रम में है। वह इंग्लैंड के घरेलू व्हाइट-बॉल टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं, चाहे वह टी20 ब्लास्ट हो या द हंड्रेड। जोश हल का बाएं हाथ का कोण और हिट-द-डेक क्षमता उन्हें एक एक्स-फैक्टर बनाती है जबकि जॉन टर्नर ने द हंड्रेड के दौरान अपनी गति और जोश से सभी को प्रभावित किया।

जैकब बेथेल और डैन मूसली दोनों ही कुशल ऑलराउंडर रहे हैं, जिनमें बल्लेबाजी उनकी सबसे मजबूत विशेषता रही है, और इन दोनों का चयन इंग्लैंड द्वारा शॉर्ट फॉर्मेट में उपयोगी

क्रिकेटरों को दी जाने वाली प्राथमिकता को दर्शाता है।

हैरी ब्रूक, मैथ्यू पॉट्स, गस एटकिंसन और जेमी स्मिथ, जो सभी श्रीलंका के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज का हिस्सा हैं, केवल वनडे मैचों में खेलेंगे, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई चरण टेस्ट सीरीज के निर्धारित समापन के एक दिन बाद शुरू होगा। मार्क वुड, जिन्हें श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान जांघ में चोट लगी थी, और बेन स्टोक्स, जो हैमस्ट्रिंग टियर के कारण गर्मियों से बाहर हो गए थे, चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। जो रूट को वनडे टीम से आराम दिया गया है। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें पहले तीन मैचों की टी20 सीरीज में भिड़ेंगी, जिसकी शुरुआत 11 सितंबर से होगी, जिसके बाद पांच वनडे मैच खेले जाएंगे जो चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए अहम होंगे। इंग्लैंड और मैथ्यू मॉट के अलग होने के बाद मार्कस ट्रेस्कोथिक इस सीरीज के लिए टीम के अंतरिम कोच होंगे।

इंग्लैंड टी20आई टीम : जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्से, जॉर्डन कॉक्स, सैम करन, जोश हल, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपली, जॉन टर्नर।

इंग्लैंड वनडे टीम : जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जोश हल, विल जैक्स, मैथ्यू पॉट्स, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ, रीस टॉपली, जॉन टर्नर।

सलाह

क्यों होता है बच्चों में टेंशन, जाने कारण

एक्सपर्ट्स की सलाह से टेंशन को समझने और उससे उबरने के तरीके बता रहे हैं। हालांकि आजकल की टेंशन भरी जिंदगी में उन पर भी टेंशन की छाया आ सकती है। 2-3 साल तक के बच्चों से लेकर 16-17 साल की उम्र पार करने तक उन्हें किसी भी वजह से टेंशन हो सकती है।

पैरंट्स का बर्ताव: अक्सर बच्चों में अपने भाई-बहनों को अधिक अटेंशन मिलने के कारण टेंशन देखा जाता है। दूसरे भाई-बहन के जन्म के बाद पैरंट्स का अटेंशन नवजात शिशु पर अधिक हो जाता है और पहले बच्चे को मिलने वाला अटेंशन कम हो जाता है। नवजात शिशु के पास जाने के लिए भी उसे कई तरह की हिदायतें दी जाती हैं और जरा-सी लापरवाही पर उसे डांट पिला दी जाती है। इस तरह दूसरे बच्चे को मिलने वाले ज्यादा अटेंशन और प्यार के कारण उसमें हीन भावना आ जाती है। उसका मन उदास रहने लगता है।

पढ़ाई का बोझ, एग्ज़ाम्स का टेंशन: आज बच्चों के बस्ते पहले के मुकाबले काफी भारी हो गए हैं। उनके सब्जेक्ट्स भी बढ़े हैं और हर महीने क्लास टेस्ट, यूनिट टेस्ट, ट्यूशन टेस्ट आदि का दबाव अलग। किसी एक सब्जेक्ट में अच्छी पकड़ न बनने के कारण वह लगातार उसमें कमजोर होता जाता है। ऐसे में एग्ज़ाम्स के दौरान भी वे टेंशन में रहते हैं। सभी पैरंट्स अपने बच्चे को फर्स्ट पोजिशन पर देखना चाहते हैं। इस कारण एग्ज़ाम्स के दौरान ज्यादा पढ़ाई और पूरी नींद न ले पाने के कारण टेंशन घेर लेता है।

मानसिक और शारीरिक टॉर्चर: प्रताडना शारीरिक हो या मानसिक, वह किसी को भी टेंशन में ले जा सकती है। फिर बच्चों का मन तो बहुत कोमल होता है। वह ऐसी स्थिति को कंट्रोल भी नहीं कर पाते। कभी-कभी पैरंट्स ही बच्चों को मारने-पीटने लगते हैं। खुद पर ही नहीं, घर में दूसरों के साथ टॉर्चर का असर भी बच्चों पर पड़ता है

पैरंट्स का बिजी रहना: बच्चे सबसे अधिक अपने पैरंट्स के करीब होते हैं। पैरंट्स के साथ होने से उनमें कॉन्फिडेंस आता है। लेकिन आजकल जब पैरंट्स वर्किंग हैं तो ऐसे में वह अपने बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाते और बच्चे खुद को अकेला पाकर टेंशन से घिरने लगते हैं।

दोस्तों से लड़ाई: दोस्ती एक खूबसूरत रिश्ता है और बचपन की दोस्ती का तो कहना ही क्या। इसमें दरार पड़ते ही किसी का भी मूड खराब हो सकता है। अक्सर लोग दोस्तों के साथ ही अपनी बातें शेयर करते हैं। बच्चों के लिए भी उनके दोस्त काफी अहम होते हैं। ऐसे में दोस्तों से लड़ाई उन्हें टेंशन में ला सकती है।

घर में टेंशन का माहौल: घर में यदि टेंशन भरा माहौल है तो उसमें बच्चे का टेंशन में आना स्वाभाविक है। आज की बदलती लाइफस्टाइल और तेजी से बढ़ते शहरों में रिश्तों की विश्वसनीयता घटती जा रही है और तलाक के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिससे बच्चों पर भी असर पड़ता है।

पॉकेट मनी का असर

पैसों की परेशानी सिर्फ बड़ों को ही नहीं बल्कि बच्चों को भी टेंशन में डालती है। बच्चे जब स्कूल जाते हैं तो उनके बीच में कुछ अमीर बच्चे होते हैं। जिनकी पॉकेट मनी ज्यादा होती है। ऐसे में पैसों की कमी के कारण बच्चा चिड़चिड़ा हो सकता है। वह पैरंट्स से नई चीजें खरीदने के लिए जिद कर सकता है और मना करने पर टेंशन में आ सकता है।

खूबसूरत दिखने के आसान नुस्खे

सुंदर दिखना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि आप मंहगे उत्पाद का प्रयोग करें या ब्यूटी पार्लर पर जाए। चेहरे की खूबसूरती को निखारने के लिए जरूरी है कि आप इसका खास ख्याल रखें। जानिए कुछ आसान उपाय जिनसे आपकी खूबसूरती बरकरार रहेगी।

झुर्रियों करें दूर

एक चम्मच शहद में कुछ बूंदे नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर झुर्रियाँ नहीं पड़ती है।

चमक रखे बरकरार

एक चम्मच गुलाबजल और एक चम्मच दूध के मिश्रण में दो तीन बूंद नींबू का रस मिलाकर इसे चेहरे पर लगाने से त्वचा की कोमलता व चमक बनी रहती है।

स्क्रबिंग के लिए

टमाटर का टुकड़ा लेकर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें, चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी। त्वचा को निखारने के लिए स्क्रबिंग बहुत जरूरी है। स्क्रब त्वचा की मृत कोशिकाओं, धूल इत्यादि को हटाकर रोमछिद्रों को बंद होने से रोकता है।

तैलीय त्वचा से पाएं छुटकारा

एक चम्मच नींबू का रस में एक चम्मच गुलाब जल और पिसा हुआ पुदीना मिलाकर 1 घंटे रखें। फिर चेहरे पर लगाकर 20 मिनट बाद धो लें। इससे चेहरे का चिपचिपापन दूर हो जाएगा।

कैसे पाएं निखार

त्वचा में निखार लाने के लिए थोड़े-से चोकर में एक चम्मच संतरे का रस, एक चम्मच शहद व गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूखने पर धो डालें।

त्वचा में कसावट

चेहरे व गर्दन पर शहद लगाएं। थोड़ा सा सूखने के बाद अंगुलियों से चेहरे पर मसाज करें। शहद के सूखने के बाद गुनगुने पानी से इसे साफ करें। इससे त्वचा में कसाव आएगा।

डार्क सर्कल से बचें

आंखों के नीचे झुर्रियां व डार्क सर्कल से बचने के लिए बादाम के तेल में शहद मिलाकर लगाएं और इस हल्के हाथों से मलें और धो लें।

क्लीजिंग के लिए

चेहरे से मेकअप को हटाने व धूल मिट्टी से बचाने के लिए क्लीजिंग जरूरी है। इसके लिए चावल के आटे में दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे चेहरे एवं गर्दन पर अच्छी तरह मलें। इसके बाद चेहरा धो लें।

रुखी त्वचा से बचें

नारियल के तेल में शहद और संतरे का रस मिला लें और इसे रुखी, फटी हुई त्वचा पर लगाएं। इस मिश्रण के सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें और हल्के हाथ से पोंछकर नारियल का तेल या कोई और मॉइश्चराइज़र लगा लें।

दाग-धब्बे

चेहरे पर काले दागों को हटाने के लिए टमाटर के रस में रुई भिगोकर दागों पर लगाएं। इससे काले धब्बे साफ हो जाएंगे।

मुंहासों से पाएं छुटकारा

आलू उबाल कर छिलके छील लें और इसके छिलकों को चेहरे पर रगड़ें, मुंहासे ठीक हो जाएंगे।

इन एक्सरसाइज से पाएं झुर्रियों से छुटकारा

प्रेग्नेंसी के बाद स्किन लटकना, मोटा होना या फिर जरूरत से ज्यादा पतला हो जाना। इस तरह की समस्सा आम होती है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि सभी महिलाएं झुर्रियों से मुक्ति पा सकती हैं। इसके लिए उन्हें कुछ खास किस्म की एक्सरसाइज करनी होगी। अकसर महिलाओं की स्किन प्रेग्नेंसी के बाद लटकती है। दरअसल गर्भावस्था के दौरान महिलाओं का शरीर फैल जाता है। इससे उनकी स्किन भी फैलती है। लेकिन डिलीवरी के बाद स्किन वापस अपनी स्थिति में नहीं आ पाती। इसे आप ऐसे भी समझ सकती हैं। एक रबर बैंड के बारे में सोचिए। उसे आप जितना खींच सकती हैं, खींच लें। इसके बाद क्या वह अपनी पुरानी स्थिति में आ सकता है? नहीं। क्योंकि उसकी इलास्टिक ढीली हो चुकी होती है। ठीक ऐसी ही महिला की त्वचा होती है। यह ढीली होने के बाद आसानी से अपनी पुरानी स्थिति में नहीं लौट पाती। ऐसा खासकर उन महिलाओं के साथ होता है, जितना तेजी से वजन बढ़ता है और तेजी से वजन घट जाता है। अगर कोई महिला कभी मोटी नहीं भी हुई हो, तो भी एक समय सीमा के बाद त्वचा अपने आप लटकने लगती है। क्योंकि वह अपनी इलास्टिसिटी खो देती है।

क्या एक्सरसाइज से स्किन टाइट हो सकती है?: सामान्यत: किसी भी एक्सरसाइज से स्किन टाइट नहीं हो सकती है। दअरसल कोई भी ऐसी एक्सरसाइज नहीं है जिससे स्किन वापिस अपनी पुरानी स्थिति में लौटकर आ सके। हालांकि कुछ ऐसे मेथड हैं जिनके जरिए स्किन पहले जैसी न सही मगर कुछ बेहतर स्थिति में आ सकती है। इसके लिए महिलाओं को चाहिए कि वह कम कैलोरी वाले आहार ले। उन्हें यह बात दें कि फैड युक्त आहार न लें। इससे वजन घट सकता है। अत: इससे आप पतली तो हो सकती हैं। लेकिन त्वचा लटने वाली ही रह जाएगी। मतलब यह कि अपनी जीवनशैली में कोई भी ऐसी डाइट न शामिल करें जिससे वजन कम हो।

स्किन कैसे टाइट करें?

इसके लिए कुछ विशेष नहीं करना है। हर महिला को चाहिए कि वह रोजाना एक्सरसाइज करे। आपकी एक्सरसाइज में बैलेंस होना बहुत जरूरी है। कार्डियो के साथ साथ ट्रेनिंग भी लें। क्योंकि इससे आपकी फिगर आकर्षक बनेगा। तो साथ ही बाडी स्ट्रेंथ भी बढ़ेगी। इससे त्वचा को भी लाभ होगा और मसल्स के लिए भी असरकारक साबित होगा। महिलाएं चाहें वेट लिफ्टिंग कर सकती हैं। इससे उनके शरीर को एक आकर्षक आकार मिल सकता है।

चिंता का नाम ओ.सी.डी

कुछ लोगों को किसी काम या आदत की धुन इस कदर सवार होती है कि वह सनक बन जाती है और बीमारी का रूप ले लेती है। इससे उनकी लाइफ पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे लोग ऑब्सेसिव कंप्लसिव डिसॉर्डर (ओसीडी) से पीड़ित होते हैं। दिक्कत यह है कि ज्यादातर लोग यह मानने को तैयार नहीं होते कि उन्हें ऐसी कोई समस्या है। हालांकि अगर वे वास्तविकता को स्वीकार कर लें, तो इलाज काफी आसान हो जाता है।

सुझाव

चावल के पानी से चेहरा धोने के फायदे

उबले चावल के पानी के स्वास्थ्य लाभों के बारे में शायद आप जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पानी सेहत के लिए जितना फायदेमंद है, त्वचा के लिए उतना ही गुणकारी। का चावल पानी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है। त्वचा की देखभाल के लिए घरेलू उपायों का प्रयोग करने वालों को पके चावल के पानी से बहुत फायदा हो सकता है। चावल के पानी का इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए भी किया जा सकता है। सप्ताह में एक बार इस घरेलू उपाय का इस्तेमाल करने से सौंदर्य से जुड़ी कई समस्याओं का निदान आसानी से हो जाता है।

त्वचा के लिए चावल का पानी

चावल के पानी में मौजूद प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण यह त्वचा में नमी बरकरार रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की रंगत निखरती है। चेहरे के दाग-धब्बों और झुर्रियों दूर होती है। इसके अलावा त्वचा में कसावट आती है और पोर्स टाइट होते हैं। इन खूबियों के चलते यह पानी एक अच्छा क्लींजर भी है।

इस्तेमाल करने का तरीका

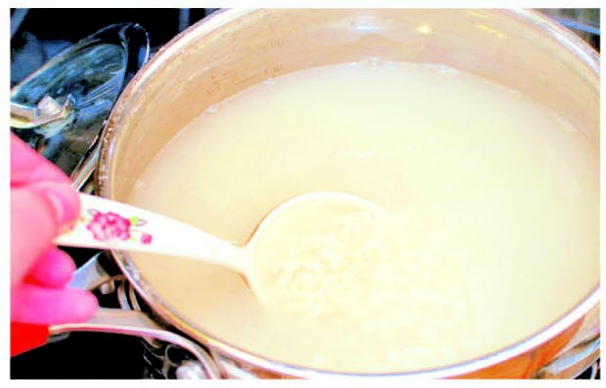

» एक कप चावल को अच्छी तरह से साफ करके पानी में भिगो दें।
» आधे घंटे के बाद जब चावल में मौजूद पोषक तत्व पानी में घुल जाये तो बर्तन को गैस में रख दें और चावल को पकने दें।
» चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें।
» फिर इस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें।
» मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही अपना चेहरा धोकर सूखे कपड़े से चेहरा पोंछ लें।
» आपको तुरंत अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा।

बालों के लिए फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप पतले और बेजान बालों की समस्या से परेशान है तो चावलों के पानी से बालों को धोये। चावल के पानी से बालों को धोने से बाल घने होने के साथ-साथ बालों में चमक भी बनी रहती है। चावल के पानी को अपने बालों में लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर शैम्पू और कंडीशनर से धो लें। आप महंगे ट्रीटमेंट के बिना पा सकते हैं, सुंदर और चमकीले बाल। लेकिन इस उपाय को अपनाने से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

रोजाना काम आने वाले छोटे-छोटे किचन टिप्स

किचन का रख-रखाव आसान काम नही है। इसमें इस्तेमाल होने वाली हर खाने की चीज जैसे सब्जियां, दालें, बिस्किट के अलावा और भी बहुत सा जरूरी सामान होता है जिसे बहुत संभालकर रखने की जरूरत होती है। किचन से जुड़ी इन छोटी-छोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना जरूरी है, जिससे उनकी रोज-रोज बिना वजह दोहराई जाने वाली गलतियां दूर हो जाएंगी और काम भी आसान हो जाएगा।

इन चीजों को फिज से रखें दूर

हम लोग अक्सर हर चीज को फ्रिज में रख देते हैं जैसे ब्रैड,आलू, केले और सेब। इन चीजों को बिना फ्रिज के बेहतर तरीके से स्टोर कर सकते हैं। आलू को फ्रिज में रखने से इसका स्वाद मीठा हो जाता है। टमाटर का स्वाद खराब और केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

नॉनवेज को फ्रिजर में करें डिफ्रॉस्ट

नॉनवेज को पानी में न रखें। एक बाउल में मीट रखकर इसको फ्रिजर में डीफ्रॉस्ट करना चाहिए। पानी में रखने से इसका टेस्ट और जरूरी पोषक तत्व खराब हो जाते हैं।

ऐसे मैश न करें आलू

आलू को मैश करने के लिए ब्लैडर का इस्तेमाल न करें। इससे यह चिपचिपे हो जाते हैं। इसका स्वाद बनाए रखने के लिए सिंपल तरीके से इसे मैश करें।

ऐसे उबालें पास्ता

पास्ता उबाल रहे हैं तो इसको पैन में डालकर गैस पर रख दें और एक मिनट के लिए करछी से न हिलाएं। इससे पास्ता खराब नहीं होगा।

ऐसे स्टोर करें ब्रैड

ब्रैड को फ्रिज में स्टोर करना है तो इसे अच्छी तरह से कवर करके ही रखें। इससे यह नहीं सूखेगी और बाकी चीजों का स्मैल भी इसमें नहीं जाएगी।

सेहत ही नहीं, चेहरे के लिए भी फायदेमंद है चॉकलेट

हर कोई चॉकलेट खाना पंसद करता है खास कर लड़कियां। इसे खाना सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता लेकिन सेहत के साथ-साथ ये त्वचा के लिए भी बहुत लाभदायक होती है। इसका फैस मास्क बना कर लगाने से चेहरे के दाग-धब्बे, रुखी त्वचा, झुर्रियां आदि ठीक हो जाते है। इसके अलावा इससे स्किन ग्लोंइन हो जाती है।

तो आइए जानते है किस तरह चॉकलेट के इस्तेमाल से आप अपनी सुंदरता को ओर निखार सकती है।

झुर्रियां और दाग धब्बे

चॉकलोट में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते है। इसे चेहरे पर लगाने से झुर्रियां और दाग धब्बे ठीक हो जाएंगे। इसके लिए एक-तिहाई कप में कोको पाउडर, 3 चम्मच शहद और कुछ नींबू की बूंदे मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिलाने के बाद 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धों लें। इससे त्वचा मुलायम होगी और चेहरे पर निखार आ जाएगा।

रुखी त्वचा

डार्क चॉकलेट में विटामिन, कैल्शियम, आयरन पाया जाता है।। इसे चेहरे पर मास्क की तरह लगाने से स्किन पर नैचुरल ग्लो आता है। इसमें कोको पाउडर, क्रीम, हनी और ओटमिल मिली कर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इस पैक को हफ्ते में एक बार लगाने से कुछ ही समय बाद आपको चेहरे पर फर्क दिखने लगेगा।

चेहरे पर नमी

डार्क चॉकलेट में मौजूद एंटी-इनफ्लैमेटरी चेहरे में नमी को बनाकर उसे ड्राई होने से बचाते है। इसे लगाने से चेहरा मुलायम हो जाता है। इसके अलावा ये रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करके चेहरे पर कोमलता बनाए रखती है।

सूर्य की किरणें

अक्सर महिलाएं सूरज की किरणों से बचने के लिए सन-सक्रीन क्रीम ले आती है। पर अब आपको इसके लिए पैसे खर्च करने की जरुरत नहीं है। डार्क चॉकलेट को पिघलाकर चेहरे पर लगाने से आप सूरज की किरणों से बचे रहेंगे। इसके अलावा ये सनबर्न और रेडनेस भी ठीक करता है।

स्ट्रेच मार्क्स

चॉकलेट के अंदर लिनोलियम एसिड पाया जाता है। इसको चेहरे पर लगाने से स्ट्रेच मार्क्स पूरी तरह खत्म हो जाते है। इसे लगाने पर आपको इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। इसे खाने से चेहरे को बहुत से पोषक तत्व मिलते है जिससे आप बेदाग निखार पा सकती है।

रेसिपी

साबूदाना भेल

सामग्री

आधा कप साबूदाना, 1 आलू (टुकड़ों में कटा हुआ), चुटकीभर लाल मिर्च पाउडर, 1 बड़ा चम्मच मूंगफली, 1 बड़ा चम्मच काजू, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 2 चम्मच तेल, सैंधा नमक स्वादानुसार, सजावट के लिए, 1 बड़ा चम्मच बारीक कटी हुई धनिया पत्ती

विधि

साबूदाने को अच्छे से धोकर साफ कर लें और 2 से 3 घंटे के लिए भिगो कर रख दें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही आलू के टुकड़ों को सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। जैसे ही आलू के टुकड़े गोल्डन ब्राउन हो जाएं इन्हें एक प्लेट में निकालकर रख लें। आलू के बाद मूंगफली और काजू भी तलकर कटोरी में निकाल लें। अब दोबारा तेल डालें और तेल के गर्म होते ही पैन में साबूदाना डालें। जैसे ही साबूदाना सॉफ्ट हो जाए इसमें आलू के टुकड़े, मूंगफली,काजू, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर 1 मिनट तक पकाएं और आंच बंद कर दें। साबूदाना भेल तैयार है। धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

प्याज उत्तपम

सामग्री

चावल 3 कप, उरद की धुली दाल 1 कप, दाना मेंथी एक छोटा चम्मच, प्याज 2 बारीक कटे हुए, हरी मिर्च 2 बारीक कटी, हरी धनिया बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, तेल सेकने के लिये।

विधि

उरद की दाल, चावल और मेथी को धोकर रात भर के लिये पानी में अलग अलग भिगो दें। भीगी हुई दाल से पानी निकाले और कम पानी डाल कर उरद दाल और मेथी को एक दम बारीक पीस कर किसी बड़े बर्तन में निकाल लीजिये। चावल को भी कम पानी का प्रयोग करते हु, थोड़ा सा मोटा पीसिए, दोनों को मिलाइये तथा गाढ़ा घोल तैयार कीजिये। मिश्रण को फरमैन्ट करने के लिये नमक डालकर, ढककर गरम जगह पर 12-14 घंटे के लिये रख दीजिये। फरमेन्ट किया हुआ मिश्रण फूलकर दोगुना हो जाता है। उत्तपम बनाने के लिये मिश्रण तैयार है। तवे को गरम कर के उस पर चौथाई चम्मच तेल डालें करीब दो करछी घोल गरम तवे पर गोल आकार में फैला दें। ऊपर से बारीक कटा प्याज, हरी धनिया और हरी मिर्च फैला दें। जब निचला भाग सिंक जाए तब धीरे से पलट कर दूसरी तरफ भी सेंक लें इसी तरह से दोनों तरफ से सुनहरा सेक लें। नारियल की चटनी और सांभर के साथ गरमागरम परोसे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)